दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03, अंक 168 | ग्वालियर गुरुवार 25 जून 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

रूस की विजय दिवस परेड में दिखा भारतीय सेना का दम

मास्को। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि यहां 75वीं विजय दिवस परेड में भारतीय सशस्त्र बलों की टुकड़ी का भाग लेना उनके लिए गर्व की बात है। सिंह 75वीं विजय दिवस परेड में शामिल होने के लिए रूस के रक्षा मंत्री के निमंत्रण पर तीन दिवसीय यात्रा पर मंगलवार को यहां पहुंचे थे। सिंह ने बुधवार को ट्वीट किया, ''1941-1945 के युद्ध में सोवियत संघ के लोगों की विजय की 75वीं वर्षगांठ मनाने के लिए मैं आज मास्को स्थित रेड स्क्वैयर में विजय दिवस परेड में शामिल हो रहा हूं।'' उन्होंने ट्वीट किया, ''मुझे गर्व है कि भारतीय सशस्त्र बलों के तीनों अंगों की एक टुकड़ी भी इस परेड में शामिल हो रही है।'' भारतीय सशस्त्र बलों की तीनों सेनाओं की एक टुकड़ी ने मॉस्को के रेड स्क्वायर में विजय परेड में हिस्सा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हुए शामिल हुए

लिया। तस्वीरों में दिख रहा है कि रेड स्क्वैयर में सामाजिक दूरी का पूरा पालन किया जा रहा है। सिंह ने ट्वीट किया, ''मास्को में विजय दिवस परेड पर भारतीय सशस्त्र बलों की तीनों सेवाओं की टुकड़ी की शानदार उपस्थिति मेरे लिए अत्यंत गर्व एवं प्रसन्नता की बात है।' भारतीय सशस्त्र बलों के तीनों अंगों की 75 सदस्यीय टुकड़ी परेड में हिस्सा ले रही है। भारतीय दल चीन समेत कम से कम 11 देशों के सशस्त्र बल कर्मियों के साथ इस परेड में भाग ले रहा है। सिंह ने मंगलवार को रूस के उप प्रधानमंत्री यूरी बोरिसोव के साथ मुलाकात की और दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों एवं क्षेत्रीय मामलों पर चर्चा की और भारत एवं रूस के बीच रक्षा सहयोग की समीक्षा की। मंगलवार को एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि राजनाथ सिंह ने 75वीं विजय दिवस के लिए शुभकामनाएं दीं तथा रूस और भारत की साझी सुरक्षा के लिए योगदान देने वाले रूस के ''मित्रवत'' लोगों, विशेषकर सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों को बधाई दी। कोविड-19 महामारी के मद्देनजर चार महीने तक यात्रा पर लगे प्रतिबंधों के बाद देश के किसी वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री की यह पहली विदेश यात्रा है। रूस ने नौ मई को रेड स्क्वैयर में होने वाली सैन्य परेड को कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के कारण पहले स्थगित कर दिया था।

मोदी कैबिनेट की मुहर: रिजर्व बैंक के दायरे में आएंगे कोऑपरेटिव बैंक

60 लाख खाताधारकों की जमा राशि सुरक्षित होगी

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बुधवार को हुई बैठक में कई अहम फैसले लिए गए हैं। सूचना और प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि बैंकिंग सेक्टर को लेकर सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। मोदी कैबिनेट ने अध्यादेश पर मुहर लगाते हुए सभी 1540 कोऑपरेटिव और मल्टी स्टेट बैंकों को रिजर्व बैंक के दायरे में ला दिया है। इससे 8 करोड़ 60 लाख खाताधारकों की जमा राशि सुरक्षित होगी। जावड़ेकर ने कहा कि देश में 1482 अर्बन कोऑपेटिव बैंक और हैं 58 मल्टी स्टेट कोऑपरेटिव बैंक हैं, इनको लेकर आज अध्यादेश लाया गया है कि ये सभी बैंक रिजर्व बैंक के सुपरविजन में आ जाएंगे। सभी बैंकिंग नियम इन कोऑपरेटिव बैंकों पर लागू होगा। इसका फायदा होगा कि जमाकर्ता को भरोसा मिलेगा कि हमारा पैसा सुरक्षित है। 8 करोड़ 60 लाख खाताधारक हैं इन 1540 बैंकों में। 4 लाख

करोड़ 84 लाख रुपए जमा हैं। इस सबकी अच्छी रक्षा होगी। रिस्ट्रक्चरिंग के समय लोगों को डर लगता है, जो हमने कुछ मामलों में देखा। अब यह नहीं होगा। जावड़ेकर ने कहा कि मुद्रा लोन योजना के तहत शिशु मुद्रा लोन लेने वाले 9 करोड़ 37 लाख लोगों को ब्याज में दो फीसदी की छूट मिलेगी। ठेले और रेहड़ी पटरी वाले या छोटे दुकानदारों मुद्रा योजना से पहले साहूकारों से पैसा लेते थे, उन्हें बहुत ब्याज चुकाना होता था। अब उन्हें बैंकों से पैसा मिलता है। उन्हें अब 2 फीसदी की छूट मिलेगी। छोटे आदमी को बड़ा फायदा देने वाली योजना है। 1 जून 2020 से यह योजना लागू होगा और 31 मई 2021 तक चलेगी। इसके लिए इस वर्ष में 1540 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।मंत्री ने कैबिनेट के फैसले की जानकारी देते हुए कहा कि कुशीनगर बुद्ध सर्किट का केंद्र है। वहां अंतरराराष्ट्रीय स्तर का एयरपोर्ट नहीं था। अब कुशीनगर में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बन रहा है। वहां तीन किलोमीटर का एयरस्ट्रिप बन चुकी है। अब एयरबस जैसा जहाज भी उतर सकता है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू होने के साथ यहां भी विमान आने लगेंगे। यहां से बुद्धिस्ट सर्किट में जाने वाले लोगों को बहुत फायदा होगा। ओबीसी समाज के लिए बड़ा फैसला लिया गया है। एक ओबीसी कमिशन नियुक्त हुआ है, जिसका का काम यह देखना है कि मिरा आरक्षण सबतक पहुंचा क्या? नहीं तो क्या करना चाहिए? ज्यादा लोगों को लाभ कैसे मिलेगा, इसके बारे में चिंतन करते हुए यह कमिशन सिफारिशें देगा। यह काम शुरू हो गया लेकिन उसके बाद उनका टर्म ऑफ रेफरेंस बदल दिया गया। क्योंकि उसी समय ध्यान में आया कि कई जातियां कई राज्यों में स्पेलिंग में एक अंतर की वजह से वह जातियां वंचित रह जाती हैं आरक्षण से। इसलिए इसे दूर करने का भी काम ओबीसी कमिशन को दिया गया है। बीच में संकट आया। इस वजह से काम करने में देरी आई है। सरकार ने इसके लिए रिपोर्ट देने की अवधिक छह महीने बढ़ाकर 21 जनवरी 2021 कर दी है। हमारा पड़ोसी देश म्यांमार ने दो और गैस ब्लॉक में 909 करोड़ रुपए निवेश का विचार किया है। नए दो ब्लॉक ए1, ए3 हैं, इन ब्लॉक्स में गैस का शोध होगा और गैस मिलेगा उसका उत्पादन होगा। गैस तो तय है उत्पादन शुरू करने के लिए 909 करोड़ रुपए रखे गए हैं। यह मोदी जी के लुक ईस्ट नीति का उदाहरण है।

दिग्विजय ने शिवराज को याद दिलाई उनकी साइकिल यात्रा

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह बुधवार को भोपाल में बीजेपी और एमपी के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर जमकर बरसे। मध्य प्रदेश में पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के खिलाफ कांग्रेस के प्रदेशव्यापी विरोध-प्रदर्शन में शामिल होकर दिग्विजय ने बीजेपी से पूछा कि आज उसके नेता और कार्यकर्ता जनता को हो रही दिक्कतों के लिए सड़क पर क्यों नहीं निकलते। शिवराज सिंह चौहान को इसी मुद्दे पर उनकी साल 2008

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के खिलाफ कांग्रेस के प्रदेशव्यापी विरोध-प्रदर्शन

की साइकिल यात्रा याद दिलाते हुए दिग्विजय ने सीएम से उनके साथ साइकिल की सवारी करने का आमंत्रण भी दिया।

कमलनाथ से मिलने पहुचे क्षत्रिय महासभा की टीम

पुष्पा शर्मा

क्षत्रिय महासभा की टीम ने चम्बल की सीटों को लेकर की कमलनाथ से ख़ास चर्चा

भोपाल। जैसा कि अभी हाल ही में 24 विधानसभा पर उपचुनाव होने वाले है जिसको लेकर हर एक विधानसभा में सभी प्रतिनिधि जोरशोर से जनसंपर्क कर रहे है वही अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के कुछ पदाधिकारी भोपाल कमलनाथ से मिलने पहुंचे ओर उन्होंने चम्बल क्षेत्र की विधासभा को लेकर काफी चर्चा की इस मौके ओर रहे पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एस.एन. सिंह, पूर्व युवा प्रदेश अध्यक्ष राजीव तोमर उर्फ बल्ले भैया, मोहन सिंह तोमर प्रदेश महामंत्री,रूपेंद्र सिंह चौहान प्रदेश संगठन मंत्री,मुन्ना चौहान जिलाध्यक्ष ग्वालियर, कान्हा परमार प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, मीनू परिहार प्रदेश महामंत्री आदि लोग उपस्थित रहे

मिजोरम में भूकंप का एक और झटका

नई दिल्ली। मिजोरम में एक और भूकंप का झटका महसूस किया गया है। बुधवार सुबह 8 बजकर 2 मिनट में 4.1 तीव्रता का भूकंप आया। बताया जा रहा है कि भूकंप का केंद्र चम्फाई जिले में जमीन से 10 किलोमीटर नीचे रहा। पिछले कुछ दिनों से मिजोरम में लगातार भूकंप के झटके महसूस किए जा रहे हैं। इससे पहले मिजोरम के चम्फाई जिले में मंगलवार रात 11 बजकर 03 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता 3.2 रही। किसी भी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। इससे पहले सोमवार को भी चमफाई में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। इससे पहले 21 जून को असम, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.1 मापी गई। मिजोरम के आइजोल जिले में भूकंप का केंद्र बताया जा रहा था।

4.56 लाख पहुंचा कोरोना मरीजों का आंकड़ा

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस संक्रमण के 15,968 नए मामले सामने आने के बाद बुधवार को कुल संक्रमित मरीजों की संख्या 4,56,183 हो गई। वहीं, 465 और लोगों की मौत के साथ ही मृतक संख्या 14,476 पर पहुंच गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने के अनुसार कोविड-19 से भारत में प्रति एक लाख आबादी में एक व्यक्ति की मौत हुई है, जबकि इसका वैश्विक औसत 6.04 है। मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार देश में अब कोरोना पॉजिटिव मामलों की कुल संख्या 4,56,183 है, जिनमें 1,83,022 सक्रिय है। वहीं 2,58,685 लोग इस महामारी को मात देने में कामयाब रहे। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के मुताबिक 23 जून तक कुल 73,52,911 सैंपल का टेस्ट किया गया। पिछले 24 घंटों में 2,15,195 सैंपल टेस्ट किए गए

हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक देश में कोरोना वायरस को हराकर ठीक होने वाले लोगों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। पिछले 24 घंटे के अंदर 10495 लोग कोरोना वायरस से ठीक हुए हैं। वहीं भारत का रिकवरी रेट भी 56 प्रतिशत के ऊपर पहुंच गया है।

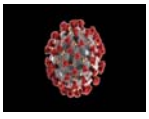

बाबा रामदेव के खिलाफ मुकदमा

जयपुर। पतंजलि की ओर से कोरोना की दवा कोरोनिल लॉन्च करने के बाद से ही बाबा रामदेव विवादों में घिरते नजर आ रहे हैं। मंगलवार को इस दवा के प्रचार पर जहां केंद्र ने रोक लगा दी वहीं जयपुर में भी उनके खिलाफ गांधी नगर थाने में परिवाद दर्ज किया गया है। परिवाद लगाने वाले जयपुर के डॉ. संजीव गुप्ता का कहना है कि बाबा रामदेव कोरोना की दवा बनाने का दावा करके लोगों को गुमराह कर रहे हैं। पतंजलि के साथ जयपुर की संस्था नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस पर भी सवाल

उठने लगे हैं। निम्स और बाबा रामदेव की ओर से यह दावा किया गया था कि उन्होंने इस दवा का ट्रायल किया है, लेकिन आयुष मंत्रालय ने इसे लेकर सवाल उठाए हैं। जानकारी के अनुसार मंत्रालय अब इस संस्था के भी ट्रायल की जांच करेगा और संस्था को ट्रायल से जुड़ा ब्यौरा पेश करना होगा।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका,ऑनलाइन न्यूज़ चैंनल,पोर्टल,एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें

कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश

राहुल गांधी का पीएम मोदी पर तंज

तेल की कीमतों को भी अनलॉक किया

नई दिल्ली। भारत-चीन तनाव और कोरोना महामारी को लेकर मोदी सरकार पर लगातार हमलावर कांग्रेस अध्यक्ष ने अब पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों को लेकर सरकार की आलोचना की है। राहुल गांधी ने बुधवार 24 जून को एक ग्राफ ट्वीट करते हुए लिखा कि मोदी सरकार ने कोरोना महामारी के साथ ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों को भी अनलॉक कर दिया है।इसमें दिखाया गया है कि कैसे कोरोनावायरस के संक्रमण के साथ ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों का ग्राफ बढ़ रहा है। बुधवार को पेट्रोल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन डीजल की कीमतों में 48 पैसे की बढ़ोतरी की गई।पेट्रोल की कीमतें 79.76 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमतें 79.88 रुपए प्रति लीटर हो गईं।कोरोनावायरस के आंकड़ों की बात करें तो देश में अब तक 4 लाख 57 हजार 621 लोग संक्रमित हो चुके हैं।

मध्य प्रदेश: बदलेगी कंटेनमेंट जोन की गाइडलाइन

अब तीन घरों का होगा कंटेनमेंट एरिया, 21 दिन के बजाए 5 दिन में फ्री होगा क्षेत्र

भोपाल। राज्य सरकार ने कोरोना संक्रमण वाले की इलाकों को कंटेनमेंट एरिया घोषित करने के लिए तय की गई गाइडलाइन में बदलाव करने का फैसला किया है। अब कंटेनमेंट एरिया नए सिरे से परिभाषित होगा। इसके अंतर्गत जिस घर में कोरोना पॉजिटिव केस मिलेगा, उस घर के एक घर दाएं और एक घर बाएं वाले मकान को मिलाकर कुल 3 घरों को ही कंटेनमेंट क्षेत्र घोषित किया जाएगा। सरकार ने यह भी तय किया है कि अब 21 दिन तक किसी एरिया को कंटेनमेंट रखने के बजाय सिर्फ 5 दिन तक ही कंटेनमेंट एरिया घोषित किया जाएगा। अगर 5 दिन में संबंधित कोरोना मरीज के मकान के आसपास कोई नया कोरोना पॉजिटिव मरीज नहीं मिला तो उस इलाके को कंटेनमेंट फ्री कर दिया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर नरोत्तम मिश्रा ने बताया कि पहले 21 दिन का कंटेनमेंट रखने

पर 30,000 लोग प्रभावित होते थे। अब इसे नए तरीके से परिभाषित करने पर सहमति बनी है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जिन इलाकों में कोरोना केस आ रहे हैं, वहां आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और अन्य वर्करों के माध्यम से सर्वे का कार्य कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 3 लाख लोगों को सर्वे के लिए ट्रेनिंग दी जा चुकी है। मिश्रा ने कहा कि इन वालंटियर के माध्यम से सिर्फ कोरोना ही नहीं बल्कि डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों के मामले में भी सर्वे कराए जाएंगे। बता दें कि राज्य सरकार ने आज ही निर्णय लिया है कि आगामी एक जुलाई से पूरे प्रदेश में %किल कोरोना अभियान% शुरू किया जाएगा। इस अभियान के तहत हर घर का सर्वे किया जाएगा। सर्वे टीम थर्मल स्क्रीनिंग के बाद लक्षण आधार पर सर्दी, खांसी, जुकाम के साथ डेंगू, मलेरिया, डायरिया की भी जानकारी लेंगी और सार्थक एप पर अपलोड करेगी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने बुधवार मंत्रालय में आयोजित बैठक में इसके निर्देश कलेक्टरों को दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी 52 जिलों में एक जुलाई से कोरोनावायरस नियंत्रण अभियान संचालित किया जाए

पेट्रोल डीजल मूल्य वृद्धि को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लहार ने दिया ज्ञापन

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र त्रिपाठी के नेतृत्व में सौंपा ज्ञापन

लहार(अर्पित गुप्ता)

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लहार के अध्यक्ष देवेंद्र त्रिपाठी एडवोकेट के नेतृत्व में सभी कांग्रेसियों ने एकत्रित होकर महामहिम राष्ट्पति व महामहिम राज्यपाल के नाम केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार के खिलाफ ज्ञापन सौंपा इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने ज्ञापन सौंप कर मांग करी की वर्तमान में केंद्र सरकार व राज्य सरकार के बनने के बाद डीजल ,पेट्रोल के दामो में निरंतर वृद्धि हो रही है एक पखवाड़े में डीजल 8.30 रुपये तथा पेट्रोल 9.46 रुपये प्रति लीटर की व्रद्धि हुई है।कुप्रबंधन के चलते पहले ही कोरोना बीमारी एक त्रासदी मैं बदल चुकी है एक तरफ जहां व्यापारियों का व्यवसाय ठप हुआ मजदूरों की मजदूरी बंद हुई किसानों की हालत पहले से भी खराब हुई वह वर्तमान में किसानी कार्य होने की वजह से किसानों को डीजल की अत्यंत आवश्यकता है आम जनजीवन पुनः पटरी पर आने का प्रयास कर रहा है लेकिन भारत के इतिहास में प्रथम बार पेट्रोल डीजल रिकॉर्ड रूप से महंगा हो गया है इस वजह से आम जनजीवन पूरी तरह से दोहरी मार झेल रहा है वहीं पूर्व में कांग्रेस सरकार द्वारा 100 यूनिट के ?100 का बिल दिया जा रहा था उस जन हितेषी योजना को मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार ने बंद कर दिया वह हजारों रुपए के बिजली बिल आम उपभोक्ता को दिए जा रहे हैं एक तरफ मुख्यमंत्री घोषणा कर रहे हैं वहीं पर धरातल पर अधिकारियों द्वारा बिलों की वसूली की जा रही है ऐसे समय में जहां बिजली बिल माफ करने चाहिए वहां आम जनों से सख्ती से वसूल की जा रहे हैं व 2018 के बीमा की राशि भी किसानों के खाते में अभी तक नहीं डाली गई 2019 आपदा के समय का मुआवजा की शेष राशि का भुगतान भी अति शीघ्र करें इन सब मांगों को लेकर लहार एस डी एम आर.ए प्रजापति महोदय के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति एबम महामहिम राज्यपाल के नाम कांग्रेस जनों ने ज्ञापन सौंपा गया इस मौके पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र त्रिपाठी एडवोकेट ,नरेश सिंह चौहान पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष, उदयप्रताप सिंह सेंगर पूर्व अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक भिंड,अनिल सोनी, नगर अध्यक्ष, डी के श्रीवास्तव, शिवराज सिंह एडवोकेट,शिवनारायण श्रीवास्तव एड ,अमृत कुशवाह ,आदि उपस्थित थे।

पेट्रोल-डीजल की मूल्य वृद्धि को लेकर किया प्रदर्शन

डबरा(अर्पित गुप्ता)।

देश में लगातार डीजल और पेट्रोल के दामों में हो रही मूल्य वृद्धि के विरोध में डबरा विधानसभा के अनेक कांग्रेसजनों ने बुधवार को प्रदर्शन किया। एसडीएम कार्यालय में मोदी सरकार और मुख्यमंत्री शिवराज के विरोध में नारे लगाकर एसडीएम राघवेंद्र पांडे को ज्ञापन सौंपकर तत्काल मूल्य वृद्धि वापस लेने की मांग की। इस मौके पर कांग्रेश दल के वरिष्ठ नेता रंगनाथ तिवारी पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष सत्य प्रकाशी परशेडिया, राजेंद्र बेरिया, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ग्रामीण राकेश रावत, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष शहर जय प्रकाश शर्मा, पार्षद जितेंद्र सिंह गुर्जर, वृंदावन कोरी, सूबेदार सिंह, बंटी राजपूत, अवतारसिंह रावत आदि सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सफलता के मोड़ पर हमें और सहयोग की जरूरत =सिरवी

पाली। कोराना वायरस भयंकर महामारी ने संपूर्ण विश्व जगत के मानव जीवन को खतरे में डाल कर रखा उसी प्रकार भारत सरकार ने सबसे महत्वपूर्ण समय में प्रथम लॉकडाउन लगाया जिसकी बदौलत आज भारतवर्ष की संपूर्ण जनता स्वस्थ एवं सुरक्षित स्थान पर पहुंची ग्राम पंचायत वडेर वास के राजस्व ग्राम रामपुरा में सिरवी इंडिया परिवार की सदस्य ममता सिरवी ने बताया कि सफलता के मोड़ पर हमें और सहयोग की जरूरत है हमें इस प्रकार से विशेष रूप से ध्यान रखना होगा कि हमने इस विश्व की जंग की लड़ाई जीत ली हैं बल्कि हमें और जिस प्रकार हमने आगे सरकार का सहयोग दिया उसी प्रकार और हमको जनता का सहयोग की जरूरत है विश्वव्यापी महामारी से केंद्र और राज्य सरकार द्वारा मानव जीवन को सुरक्षित रखने के लिए संपूर्ण प्रयास किए और जारी भी हैं उसी प्रकार संपूर्ण प्रशासनिक अधिकारियों की जितनी सराहना की जाए उतनी ही कम उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर दिन रात भीषण गर्मी के दौर के चलते मानव जीवन को बचाने के लिए सेवाएं दी उनका आज सम्मान ही भारत के जीत का प्रमुख अंग बनेगा इसी प्रकार हमें सभी को एक ही संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा हमारा भारत विश्व की इस लड़ाई में विजय प्राप्त करें ममता सिरवी ने बताया कि सिरवी इंडिया परिवार संपूर्ण भारतवर्ष में भामाशाह की सरकार के साथ-साथ जरूरतमंदों को महत्वपूर्ण सहायता दी सिरवी इंडिया परिवार के जनप्रतिनिधियों ने हर प्रकार से जनता को जागरूक किया उसी प्रकार ग्राम पंचायत वडेर वास के सरपंच लीला देवी सिरवी जनप्रतिनिधि समाज सेवक अमराराम सिरवी ने अपने जीवन का मुख्य लक्ष्य के साथ गौ माता की रक्षा करने का संकल्प लिया ।

मुख्यमंत्री खेत संरक्षण योजना के तहत सोलर बाड़ बन्दी करवाकर दधोग गांव के 18 परिवार हुए लाभान्वित

सामुहिक बाड़ बन्दी में खेतों के चारों ओर 1797 मीटर सोलर स्वचलित बाड़ लगाई

अभिषेक मिश्रा , हिमाचल प्रदेश

बिलासपुर जिला के झंडूता उपमण्डल की ग्राम पंचायत घण्डीर के गांव दधोग के लोग कृषि पर ही निर्भर थे, उनकी आर्थिकी का एकमात्र साधन खेती-बाड़ी थी। सरयाली खड्ड के किनारे भूमि होने के कारण जमीन काफी उपजाऊ थी लेकिन आवारा बेसहारा पशुओं के झूंड आते और फसलों को तबाह/नष्ट और खा लेते है जिससे किसानों को बहुत अधिक आर्थिकी का नुकसान हो रहा था और किसान काफी परेशान हो रहे थे। किसान दिन-रात खेतों में पहरा देकर पशुओं को भगाने में लगे रहते, कई बार तो पशु उन्हें घायल करके भी चले जाते। किसानों ने कई बार तो निराश होकर खेती-बाड़ी न करने का फैसला लिया लेकिन उन्हें भविष्य में आर्थिकी का और कोई रास्ता नजर नहीं आता। जैसे ही किसानों को पता चला की प्रदेश सरकार द्वारा किसानों को इस संकट से निकालने के लिए कृषि विभाग के माध्यम मुख्यमंत्री खेत संरक्षण योजना शुरू की गई है, उनकी खुशी का ठिकाना न रहा और उन्होंने कृषि विभाग से सम्पर्क किया। कृषि विभाग के अधिकारियों ने उन्हें मुख्यमंत्री खेत संरक्षण योजना के बारे में विस्तृत रूप जानकारी दी और बताया कि फसलों को पशुओं से बचाने के लिए मुख्यमंत्री खेत संरक्षण योजना चलाई जा रही है जिसके तहत किसानों को बाड़ लगाने के लिए सब्सिडी प्रदान की जा रही है। इस योजना के अंतर्गत किसानों को 80 से 85 प्रतिशत तक की सब्सिडी दी जा रही है। मुख्यमंत्री खेत संरक्षण योजना किसानों और बागवानों दोनों के लिए फायदेमंद है। मुख्यमंत्री खेत संरक्षण योजना के लिए किसान को 20 प्रतिशत तक राशी खर्च करनी पड़ेगी। यदि कोई किसान अकेले इस योजना का लाभ उठाने में असॅमथ है तो किसान सामुहिक तौर पर भी इस योजना का लाभ उठा सकते है और समूह में इस योजना के तहत किसानों को सिर्फ 15 प्रतिशत राशि ही देनी पड़ेगी। ग्राम पंचायत घंडीर के गांव दधोग के किसानों ने अपनी फसलों को बचाने के लिए मुख्यमंत्री खेत संरक्षण योजना का लाभ सामुहिक तौर लेने का निर्णय लिया। दधोग गांव जोकि सरयाली खड़ के साथ लगता है के 18 परिवार जिसमें बालक राम, रमेश चंद, श्री राम, रामी देवी, लेख राम ,राजेश कुमार, किशोरी लाल, जगदीश, जोगेंद्र पाल, विद्या सागर ,पवन कुमार, नुरातु देवी, केसरी देवी, सदा राम, निक्का राम, बलदेव राज, लेख राम, प्रेम लाल के ने मिल कर अपनी जमीन की सामूहिक सौलर बाड़ बंदी करवाई और योजना का लाभ प्राप्त किया। जिसमें 85 प्रतिशत अनुदान सरकार द्वारा दिया गया। दधोग गांव के 178 बीघा 6 बिस्वा क्षेत्र कवर किया गया है। इस सौलर बाड़ बंदी पर 16 लाख 63 हजार 5 सौ 30 रुपये खर्च किए गए है। जिसमे 14 लाख 14 हजार रुपए सरकार द्वारा अनुदान दिया गया और 2 लाख 49 हजार 5 सौ 30 रुपये का किसानों का शेयर शामिल है।

नल जल योजना बनी आमजन के लिए गले की फांस

लहार(अर्पित गुप्ता)

नल जल योजना के तहत लहार नगर में चल रही खुदाई से आम जन में परेशानी बनी हुई है

नगर के बार्ड क्र.2 बासियों ने एस.डी.एम कार्यालय पहुँचकर सौंपा ज्ञापन

इस खुदाई की बजह से कई वार्डो की नल की पाइप लाइने फुट गयी है जिससे नगर में इस भीषण गर्मी में जल संकट गहरा गया है और ठेकेदार की मनमानी के चलते ये लाइनों की ओर खुदी पड़ी गलियों की अभी तक सुध नही ली गयी और न ही पाइप डाले गए जिससे बरसात के दिनों में नलों में गंदा पानी आने से पानी की समस्या ने विकराल रूप ले लिया है और इसी के चलते आज नगर के बार्ड क्र.2 बासियों ने एस.डी.एम लहार आर.ए प्रजापति से गुहार लगाई इस मौके पर रमेश दुबेदी,प्रेमप्रकाश दुबेदी,अरुण गुप्ता,कौशलेंद्र सिंह,हेमंत तिवारी युवा नेता,नवीन बुधौलिया, अजय दुबेदी,अभिषेक प्रजापति, गगन गुप्ता आदि वार्ड क्र.2 बासी प्रमुख रूप से मौजूद रहे ।

इनका कहना

शिकायत प्राप्त हुई है नगर परिषद एबम ठेकेदार को पत्र लिखकर अबगत कराया जाएगा और नगर बासियों की समस्या को ध्यान में रखकर कार्य करने के लिए निर्देशित किया जाएगा।

आर.ए प्रजापति
एसडीएम लहार

भाजपा को झटका संजू जाटव हुई कांग्रेस में शामिल

भोपाल। मध्य प्रदेश में होने वाले विधानसभा उपचुनाव जैसे-जैसे करीब आते जा रहे हैं वैसे वैसे राजनीतिक उथल-पुथल बढ़ गई है भिंड जिले से आने वाली भाजपा की कद्दावर नेता संजू जाटव ने आज पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के निवास पर कांग्रेस की सदस्यता ले ली इस सदस्यता कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता स्वामी वैराग्य नंद गिरी महाराज और मिर्ची बाबा भी उपस्थित थे श्रीमती संजू जाटव ने कहा कि वह भाजपा में जब थी तो उनके साथ ठीक व्यवहार नहीं हुआ इसलिए वे कांग्रेस में आई हैं वह कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ना चाहती हैं वही स्वामी वैराग्य नंद गिरी महाराज और मिर्ची बाबा ने कहा है कि आने वाले 28 तारीख को वह शिवराज सिंह सरकार के एक और घोटाले को जनता के सामने लेकर आएंगे।।

मिर्ची बाबा ने कहा आने वाली 28 को करूंगा शिवराज सरकार के एक और भ्रष्टाचार का खुलासा

संविधानिक पद का दुरुपयोग कर रहे हैं जसवंत जाटव

शिवपुरी करैरा । करैरा के पूर्व विधायक जसमंत जाटव के दो पत्र सोशल साइट पर वायरल विधायक की हैसियत से मुख्यमंत्री शिवराज व दतिया कलेक्टर को लिखा पत्र वही करैरा विधानसभा से इस्तीफा दे चुके पूर्व विधायक जसवंत जाटव संविधानिक पद का दुरुपयोग करते नजर आ रहे हैं 23 जून 2020 को करैरा विधानसभा से पूर्व विधायक जसवंत जाटव ने अपने करैरा विधायक के लेटर हेड पर दतिया कलेक्टर को एक पत्र लिखा है जिस पत्र में उन्होंने लिखा है कि करैरा विधानसभा क्षेत्र की 10 ग्राम पंचायत जो दतिया जिले में आती हैं इन पंचायतों का शासकीय काम काज आदि को देखने एवं जिला पंचायत एवं जिला योजना समिति की बैठक में विधायक प्रतिनिधि के रुप में श्री श्याम पाल सिंह परमार निवासी बिलारी को नियुक्त किया जाता है अब सवाल यह खड़े होते हैं जब जसवंत जाटव विधायक ही नहीं हैं तो विधायक प्रतिनिधि कैसे नियुक्त कर दिया वहीं कांग्रेस पार्टी कार्रवाई करने की बात कह रही है कांग्रेस पार्टी के नेताओं का कहना है कि करेरा के पूर्व विधायक जसवंत जाटव ने सत्ता का दुरुपयोग किया है वहीं विधायकी के नशे में चूर है पूर्व विधायक अभी भी अपने आपको विधायक मानते हैं वह यह भूल गए कि वह करैरा विधानसभा से इस्तीफा दे चुके हैं आगे उन्होंने कहा कि संवैधानिक पद का दुरुपयोग करने पर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए अगर पुलिस प्रशासन कार्रवाई नहीं करती तो कांग्रेस पार्टी इसको लेकर न्यायालय जाएगी

इनका कहना है

पत्रों के संबंध में विधायक जाटव का कहना है कि यह पत्र कुछ महीने पहले के हैं। जब हमने प्रतिवेदन तैयार किए थे। तारीख नहीं डाली थी, लेकिन हो सकता हैं हमारे बच्चे ने पत्र पर तारीख लिखकर उसे सोशल मीडिया पर डाल दिया। मेरी भी जानकारी में यह बात आई है। मैंने कोई पत्र नहीं लिखे। मुझे अच्छे से पता है। वर्तमान में मैं विधायक नहीं हूं तो पत्र कैसे लिख सकता हूं।

बिजली के बिलों में घोटाला को छुपाने के लिए शिकायत करता को दी जा रही है जानसे मारने की धमकी

कस्बा खेरागढ । सुरेन्द्र सिंह परमार पुत्र श्री मोहर सिंह निवासी पटपर गंज खेरागढ आगरा जिसने बिजली विभाग के एस एस ओ बिमल श्रीवास्तव पुत्र रमेश श्रीवास्तव निवासी नगला उदेया रोड खेरागढ जो सिद्ध बाबा फीडर सरेन्धी चोराह पर हे उसे 191400 रूपये दिया उसने बिल की रसीद 46000 रुपये की दी ओर बाकी रुपये को बन्दरबाट कर लिया जिसमे बिमल श्रीवास्तव,बाबू समीद, मेणूगोपाल, अकाउंटैंट बाबू राहुल गर्ग अधिशासी अभियन्ता कुलदीप कुलश्रेष्ठ, जिन्होने ने बिल मे सरकार को भनक भी नहीं पड़ने दी। इस घोटाला मे जिसमे कई दबंग लोग ठेकेदारी कर रहे हैं बिलो की जो घोटाला खुल ना जाये इस लिये शिकायत करता को जान से मारने की कोशिश और प्रार्थी के घर पर हशियारो के साथ जाता है बिजली विभाग ओर ठेकेदार थाना खेरागढ मे प्रार्थी की एफ आई आर लिखी नही जा रही है इस लिये प्रार्थी ने उपजिलाअधिकारी खेरागढ को अवगत कराया हे ओर प्रार्थी जिलाअधिकारी ओर वरिष्ठ अधिकारियों को भी पत्र भेज दिया है प्रार्थी का कही न कही रोजाना आना जाना लगा रहता है प्रार्थी का कहना है कि उच्च अधिकारियो ने पेसे लेकर जाँच को दबा दिया जाता है।

हार जीत का दांव लगा रहे तीन जुआरी पकड़े

इन्दरगढ़(अर्पित गुप्ता)।

बीते कुछ महीनों में निरंकुश हुये जुआरी और सटोरियो अब पुलिस के विशेष निशाने पर हैं। इसी क्रम में इन्दरगढ़ पुलिस ने हूंका मार्केट की पीछे अंदर बस्ती की ओर जाने बाले मार्ग से हार जीत का दांव लगा रहे तीन जुआरियों को 12 हजार रू. नकदी एवं मय ताश की गड्डी के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गये आरोपियें में कल्लू उरंफ कपिल वंशकार उम्र 25 वर्ष, वीरेन्द्र गुप्ता उम्र 40 वर्ष तथा असलम खां निवासीगण इन्दरगढ़ को जुये के फड़ से बरामद कुल 12 हजार रूपये तथा ताश की गड्डी के साथ गिरफ्तार किया है। उक्त कार्यवाही में एसआई नंदिनी शर्मा, प्रआ इरशाद खान, आ. बृजराज सिंह तोमर, आ. संतोष कुशवाह पनलिस टीम में शामिल रहे। थाना प्रभारी वाय एस तोमर ने बताया कि पुलिस अधीक्षक महोदय के आदेश-निर्देश का अनुपालन करते हुये असामाजिक तत्वों के खिलाफ पुलिस की कार्यवाही सतत जारी रहेगी।

कैलादेवी ट्रांसपोर्ट कंपनी की दो गाड़ियों में लगी आग एक करोड़ का कीमती सामान जलकर राख

करैरा। करेरा ट्रांसपोर्ट व्यवसायी धर्मेंद्र गुप्ता के प्रतिष्ठान के पास रखी कैलादेवी ट्रांसपोर्ट कंपनी की एक पिकअप एवं ट्रक जिसमे कीमती वस्तु जैसे किराना, कपड़ा, दवाइयां, मशीनरी एवं इलेक्ट्रिकल समान भरा हुआ था अचानक सुबह 4.30 बजे आग लग गयी जिसकी जानकारी डिप्टी बैंक मैनेजर रामकुमार गुप्ता ने दी और तत्काल तहसीलदार करैरा जीएस बैरवा मोके पर पहुचे ओर फायर ब्रिगेड को सूचित किया जिसपर से 1 घंटे देरी से आई जिसकी वजह से आग पर देर में काबू पाया जा सका सीएमओ करैरा दिनेश श्रीवास्तव को फोन लगाने पर उनका फोन बंद आ रहा था सुबह 7 बजे तक भी नगर पंचायत सीएमओ मोके पर नही पहुचे लेकिन थाना प्रभारी गब्बर सिंह एवं तहसीलदार बैरवा ने मौके पर तत्काल पहुच कर आग पर काबू पाया ऐसी विषम परिस्थिति में नगर पंचायत सीएमओ का गैर जिम्मेदाराना रवैया जनचर्चा का विषय बनकर व्यापारियों में रोष का कारण बन रहा है। फिलहाल आग पर काबू पा लिया है और एक करोड़ का नुकसान बताया जा रहा है। आग शार्ट सर्किट से लगना बताया जा रहा है।कैला देवी ट्रांसपोर्ट दतिया की गहोई ट्रांसपोर्ट करैरा की बताई जा रही है गाड़ी।

मुरैना की जनता को रूला के चल दिये आईपीएस डा.असित यादव...

केशब पडित अम्बाह

मुरैना... अभी हाल मे राज्य शासन भोपाल द्वारा किये गये पुलिस अफसरो की स्थानान्तरण सूची मे मुरैना एसपी डा. असित यादव का स्थानांतरण किया गया बिगत रहै चम्बल में अब्बल रहै भा.पु.से 2011 के आईपीएस डा. असित यादव ने 28 फरबरी 2019 को कमान संभाली थी तब से लेकर आज तक उनके द्वारा अपराधियो के खिलाफ जो ताबड तोड कारबाइयां की गई वह बाकई काबिले तारीफ है एसपी असित यादव ने जव से मुरैना जिले का कार्यभार सभाला है तब अपराध व अपराधियो पर शिकंजा कसा है उसकी तारीफ मुरैना जिले की जनता के मुह पर सुनी जा सकती है आज मुरैना जिले का हर बर्ग चाहे वह व्यापारी बर्ग हो या युवा बर्ग हो या समाज सेबी गणमान्य नागरिक हो सभी पुलिस अधीक्षक की सराहना कर रहै है पुलिस अधीक्षक ने अपनी सूझबझ से जो रणनीत बनाई उससे अपराधियो में दहशत पैदा हुई और लाखो रूपये के नामीग्रामी बढमाश जैल की चारदीबारी तक

चम्बल में कर्तब्यनिष्ठ आईपीएस के रूप मे डा. असित यादव का डेढ साल बैमिसाल...

पहुचाया तथा जनता की सुरक्षा की खातिर अपराधियो मे नकेल डाल दी वही छात्राओ की सुरक्षा के लिये उनके द्वारा जो पहल की गई वह काबिले तारीफ है एसपी डा. असित यादव ने करीब 479 दिन कमान संभाली तब से उन्हौने अबैध उत्खनन, अबैध शराब चोरी अपरहण एवं अबैध हथियारो के तस्करो को सलाखो के पीछे भेजा है एसपी की कार्य प्रणाली को देख गुण्डे बदमाश भयभीत हो उठे उन्हौने अपने कार्यकाल में न केबल अपराधो पर अकुश लगाया बल्कि पूरे जिले को अपराध मुक्त कर भय बिहीन बनाया एसपी द्वारा अपने कार्यकाल में इनामी अपराधी मे नकेल डाल दी इनमे नकल माफिया रेत माफिया मादक पदार्थो का ब्यापार करने बाले तथा भारी मात्रा मे पकडा गया है! लूट हत्या हत्या के प्रयास अपहरण चोरी एवं महिलाओ के साथ छेडछाड करने बालो को जैल की चारदीबारी में पहुचाया गया फिल हाल पुलिस अधीक्षक के स्थानांतरण से मुरैना जिले की जनता में मायूसी छाई हुई है देशभक्त जन सेबा के नारे को बुलन्द करने बाले जांबाज आईपीएस डा.असित यादव हर बिषम परिस्थिति मे पुलिस का झण्डा फहराने मे अपनी अहम भूमिका निभाई है बिगत संकट की घडी काल में मुरैना जिला पुलिस बल ने अपराधियो के खिलाफ ताबडतोड कारबाहियॉ की उसमे एसपी असित यादव ने अहम भूमिका अदा की एसपी यादव ने कार्यभार सभाला था तब उन्हौने मुरैना जिले के हर एक थाने का निरीक्षण किया था निरीक्षण के दौरानहै थाना प्रभारियो को निर्देशित किया गया कि जिले में अपराध को खत्म करना हमारा पहला लक्ष्य है इसे ही ध्यान मे रखते हुऐ हम अपने कर्तब्यो को अंजाम दे श्री असित यादव के कर्तव्यो के प्रति लापरबाही बरतने बाले कर्मचारियो खिलाफ कारबाही की इतना ही नही मुरैना जिले में कभी भी कानून की ब्यबस्था बिगडती देखी तो सबसे पहले वहॉ पहुचने का का एसपी असित यादव द्वारा किया गया उन्होने पुलिस टीम भावना से काम करते हुऐ अपने कार्यो को अंजाम दिया आज चंम्बल जॉन से एक जॉबांज आईपीएस पुलिस अधिकारी का तबादला होगया लेकिन उनके कार्यो को व उनकी अच्छाइयो को मुरैना की जनता हमेशा याद रखेगी श्री डा. असित यादव ने कहा है कि स्थानांतरण होना एक सामान्य प्रक्रिया है मे जहॉ भी रहूगा यहा जहॉ भी मेरी पोस्टिग रही है मैने अपने हौसले को कभी परास्त नही होने दिया पुलिस बिभाग मे आना व जनता की सेबा करना ईश्बर की महर है उन्होने अधीनस्तो को भी अपने संदेश में कहा जिन्दगी एकबार मिलती है दोबार नही हमे अपने कर्तब्यो को पूर्ण निष्ठाभाव से कार्य करना चाहिये...

संसाधनों के बेहतर उपयोग से अच्छे परिणाम प्राप्त करें

मुख्यमंत्री चौहान ने कलेक्टर्स-कमिश्नर्स को दिये निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में अच्छे परिणाम प्राप्त किए जाएं। संकट की घड़ी में बेहतर कार्य से आमजन को कठिनाईयों से बाहर निकाल कर राहत पहुंचाई जाए। इसके लिए प्रशासनिक अमला सक्रिय हो जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज मंत्रालय से वीडियो कान्फ्रेंस द्वारा कलेक्टर्स-कमिश्नर्स को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंस में प्रदेश में गेहूँ उपार्जन, श्रम सिद्धि अभियान, मानसून के आगमन पर मौसमी बीमारियों और बाढ़ से बचाव की तैयारी, रोजगार सेतु की प्रगति, पथ विक्रेता उत्थान योजना, मध्यप्रदेश इनोवेशन चैलेंजस पोर्टल पर सुझाव देने, वनाधिकार पट्टों के संबंध में पुनः परीक्षण कर कार्यवाही करने और लोक सेवाओं के बेहतर प्रदाय के संबंध में निर्देश दिये। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में अच्छी कानून व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता है। अनलॉक की स्थिति में अपराध न हों, इसके लिए पुलिस बल सजग रहे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश के किसानों को समुचित खाद और बीज की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि खरीफ फसलों के लिए किसानों को आवश्यक

आदान की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही नकली बीज के उपयोग पर नजर रखते हुए दोषियों के विरूद्ध कार्यवाही भी की जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश के किसानों ने एक करोड़ 29 लाख मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन कर ऑलटाइम रिकार्ड बना लिया है। इसके लिए किसान बंधु, खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग के सभी अधिकारी और कर्मचारी एवं संबंधित एजेंसियां बधाई की पात्र हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि उपार्जित गेहूँ के परिवहन के बाद शत-प्रतिशत भंडारण भी हो रहा है। कहीं भी गेहूँ बारिश से भीगने की शिकायतें नहीं आना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि प्रवासी श्रमिकों को उनके कौशल के अनुरूप रोजगार से जोड़ने का कार्य निरंतर चलना चाहिए। प्रदेश में करीब 5 हजार प्रवासी श्रमिक रोजगार सेतु के माध्यम से विभिन्न संस्थानों में कार्य कर रहे हैं। प्रदेश में 7 लाख से अधिक प्रवासी श्रमिक लौटे हैं, इन्हें रोजगार सेतु पोर्टल पर पंजीकृत करने का कार्य चल रहा है। करीब 18 हजार 500 नियोक्ता पंजीकृत हो गए हैं। श्रमिकों को उनकी दक्षता के आधार पर कार्य उपलब्ध करवाने का अवसर दिया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने श्रम सिद्धि अभियान में श्रमिकों को जॉब कार्ड उपलब्ध करवाने, मनरेगा कार्यों में मशीनों का इस्तेमाल न करने और समय पर मजदूरी के भुगतान के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कॉन्फ्रेंस में निर्देश दिए कि वर्षाकाल के आगमन पर जिला आपदा प्रबंधन समिति की बैठकें आयोजित कर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। शहरों में जल का भराव न हो और ग्रामीण क्षेत्रों में नदियों में जल स्तर बढ़ने की स्थिति में बचाव दल की उपयोगिता को देखते हुए उन्हें प्रशिक्षित करने का कार्य भी पूरा कर लिया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मानसून के आगमन पर प्रदेश के क्वारेंटाइन केन्द्रों में रह रहे नागरिकों की सुरक्षा के संबंध में भी कलेक्टर्स को निर्देश दिये कि ऐसे नागरिकों को स्वच्छता और संक्रमण मुक्त वातावरण उपलब्ध करवाया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के आव्हान के लिए आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लिए पूरे प्रयास किए जाएं। शहरों और गाँवों में स्ट्रीट वेण्डर्स को ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध करवाने के लिए पंजीयन की कार्यवाही पूरी की जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मध्यप्रदेश इनोवेशन चैलेंज पोर्टल पर सुझाव देने का भी आव्हान किया। इस पोर्टल पर 30 जून तक विभिन्न क्षेत्रों में अभिनव और मौलिक सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। विशेष रूप से आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लिए रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और अधोसंरचना क्षेत्र के साथ ही नवीन तकनीक के उपयोग और लोक सेवा प्रदाय कार्य को बेहतर बनाने के संबंध में सुझाव दिए जा सकते हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वन क्षेत्र में काबिज निवासियों को पट्टा देने के लिए वन अधिकारियों के साथ बैठक कर पुनः परीक्षण किया जाए और निरस्त किए गए पट्टों के संबंध में आवश्यक कार्यवाही की जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्व-सहायता समूहों के सशक्तिकरण के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने लोकल को वोकल बनाने के आव्हान के अनुरूप इन समूहों की क्षमताओं को बढ़ाने और आर्थिक समृद्धि का अवसर उपलब्ध करवाने के निर्देश कलेक्टर्स को दिए। कलेक्टस-कमिश्नर्स कान्फ्रेंस में स्वास्थ्य एवं गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, पुलिस महानिदेशक श्री विवेक जौहरी और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

भोपाल में बुधवार को सद्भावना अधिकार मंच द्वारा न्यू मार्केट स्थित टॉप एंड टाउन में चाइना द्वारा निर्मित सामान का बहिष्कार करते हुए।

मध्यप्रदेश को मिला ई-पंचायत का प्रथम पुरस्कार

भोपाल। पंचायतों में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का बेहतर उपयोग कर काम-काज में दक्षता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिये मध्यप्रदेश को ई-पंचायत पुरस्कार-2020 मिला है। पंचायती राज मंत्रालय द्वारा मध्यप्रदेश को द्वितीय श्रेणी अंतर्गत वर्ष-2020 का ई-पंचायत प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया है। गौरतलब है कि प्रदेश की पंचायतों द्वारा योजनाओं के ऑनलाईन क्रियान्वन तथा ऑनलाईन आय-व्यय के लिये भारत सरकार पंचायती राज मंत्रालय के विभिन्न ऑनलाईन एप्लीकेशन पी.एफ.एम.एस., ई-ग्राम स्वराज, लोकल गवर्मेंट डायरेक्ट्री आदि के साथ-साथ विभागीय पंचायत दर्पण पोर्टल का उपयोग बेहतर तरीके से किया गया। भारत सरकार पंचायती राज मंत्रालय द्वारा मध्यप्रदेश को ई-पंचायत पुरस्कार 2020 से सम्मानित किया है। भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग द्वारा पंचायतों में पारदर्शी रूप से प्रभावी उत्तरदायित्व निर्वहन के लिये तीन श्रेणियों में ई- पंचायत पुरस्कार प्रदान किये जाते हैं, जिसमें समस्त राज्य अपना नामांकन करते हैं।

संसाधनों के बेहतर उपयोग से अच्छे परिणाम प्राप्त करें

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में अच्छे परिणाम प्राप्त किए जाएं। संकट की घड़ी में बेहतर कार्य से आमजन को कठिनाईयों से बाहर निकाल कर राहत पहुंचाई जाए। इसके लिए प्रशासनिक अमला सक्रिय हो जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज मंत्रालय से वीडियो कान्फ्रेंस द्वारा कलेक्टर्स-कमिश्नर्स को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंस में प्रदेश में गेहूँ उपार्जन, श्रम सिद्धि अभियान, मानसून के आगमन पर मौसमी बीमारियों और बाढ़ से बचाव की तैयारी, रोजगार सेतु की प्रगति, पथ विक्रेता उत्थान योजना, मध्यप्रदेश इनोवेशन चैलेंजस पोर्टल पर सुझाव देने, वनाधिकार पट्टों के संबंध में पुनः परीक्षण कर कार्यवाही करने और लोक सेवाओं के बेहतर प्रदाय के संबंध में निर्देश दिये। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में अच्छी कानून व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता है। अनलॉक की स्थिति में अपराध न हों, इसके लिए पुलिस बल सजग रहे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश के किसानों को समुचित खाद और बीज की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि खरीफ फसलों के लिए किसानों को आवश्यक आदान की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही नकली बीज के उपयोग पर नजर रखते हुए दोषियों के विरूद्ध कार्यवाही भी की जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश के किसानों ने एक करोड़ 29 लाख मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन कर ऑलटाइम रिकार्ड बना लिया है। इसके लिए किसान बंधु, खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग के सभी अधिकारी और कर्मचारी एवं संबंधित एजेंसियां बधाई की पात्र हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि उपार्जित गेहूँ के परिवहन के बाद शत-प्रतिशत भंडारण भी हो रहा है। कहीं भी गेहूँ बारिश से भीगने की शिकायतें नहीं आना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि प्रवासी श्रमिकों को उनके कौशल के अनुरूप रोजगार से जोड़ने का कार्य निरंतर चलना चाहिए। प्रदेश में करीब 5 हजार प्रवासी श्रमिक रोजगार सेतु के माध्यम से विभिन्न संस्थानों में कार्य कर रहे हैं। प्रदेश में 7 लाख से अधिक प्रवासी श्रमिक लौटे हैं, इन्हें रोजगार सेतु पोर्टल पर पंजीकृत करने का कार्य चल रहा है।

बिजली बिलों की शिकायतों के समाधान के लिये लगेंगे शिविर

भोपाल। मध्य क्षेत्र वितरण कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों में विद्युत देयकों से संबंधित शिकायतों के निराकरण के लिए वितरण केन्द्र स्तर पर शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिकायत निवारण शिविरों में बिजली बिल संबंधित शिकायतें, नवीन कनेक्शन, मीटर वाचन एवं बंद/खराब मीटर से संबंधित शिकायतें तथा अन्य ट्रिपिंग, विद्युत व्यवधान, वोल्टेज कम ज्यादा होने आदि विद्युत प्रदाय संबंधी शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाएगा।

आशुतोष प्रताप सिंह द्वारा संचालक जनसम्पर्क का पदभार ग्रहण

भोपाल। श्री आशुतोष प्रताप सिंह ने बुधवार को संचालक जनसम्पर्क का पदभार ग्रहण कर लिया है। इस दौरान अपर संचालक श्री एल.आर. सिसोदिया, श्री सुरेश गुसा, श्री मंगला मिश्रा और श्री एच.एल. चौधरी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश की धरती पर ही मिलेगा हर प्रवासी मजदूर को योग्यता अनुसार काम

मुख्यमंत्री चौहान ने प्रवासी श्रमिकों तथा नियोक्ताओं से वी.सी. के माध्यम से चर्चा की

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोविड संकट काल में लौटे हर प्रवासी श्रमिक को मध्यप्रदेश की धरती पर ही उनकी योग्यता अनुसार रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री सहित पूरी टीम आपके साथ है। रोजगार सेतु के माध्यम से जहां प्रवासी श्रमिकों को उनकी दक्षता अनुसार रोजगार प्राप्त हो रहा है, वहीं नियोक्ताओं को उनकी आवश्यकता के अनुसार कामगार मिल रहे हैं। नियोक्ता अधिक से अधिक प्रवासी श्रमिकों को रोजगार दें, सरकार उनके कार्य में सहयोग करेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान प्रदेश के 7 लाख से अधिक प्रवासी श्रमिकों एवं 19 हजार से अधिक नियोक्ताओं को फेसबुक लाइव के माध्यम से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कुछ जिलों में प्रवासी श्रमिकों एवं नियोक्ताओं से बातचीत भी की। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, ए.सी.एस श्री मनोज श्रीवास्तव, ए.सी.एस. डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव श्री संजय शुक्ला आदि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में प्रत्येक प्रवासी श्रमिक को रोजगार दिया जा रहा है। अभी तक 3 लाख 37 हजार 857 प्रवासी श्रमिकों के जॉब कार्ड बनाए गए हैं तथा एक लाख 62 हजार 840 को रोजगार दिया गया है। ए.सी.एस. श्री मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदेश में मनरेगा के अंतर्गत अभी

तक 45 लाख 96 हजार मजदूरों को कार्य उपलब्ध कराया गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में 6004 प्रवासी श्रमिकों को रोजगार सेतु के माध्यम से रोजगार दिया गया है, यह प्रक्रिया निरंतर जारी है। मुख्य सचिव श्री बैंस ने कहा कि %रोजगार सेतु% कौशल अनुसार रोजगार दिलाने का %ऑटोमेटिक मोड% बन गया है। रोजगार सेतु में 19 हजार 641 नियोक्ताओं ने पंजीयन कराया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान से चर्चा के दौरान उन्होंने बताया कि रोजगार सेतु के माध्यम से उन्हें जरूरत के अनुसार कामगार आसानी से मिल रहे हैं। कोरोना संकट के कारण उपजी %लेबर प्रोब्लम% दूर हो गई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सभी प्रवासी श्रमिकों को संबल योजना में जोड़ा गया है। अब उन्हें बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, दुर्घटना सहायता, मृत्यु पर सहायता, अंत्येष्टि सहायता, बिटिया की शादी, प्रसूति सहायता, बिजली बिलों में छूट सहित सभी सुविधाएं मिलेंगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि प्रवासी श्रमिकों के बच्चों के शालाओं में नामांकन के लिए प्रक्रिया अपनाते हुए प्रवासी श्रमिकों के साथ वापस लौटे 5 से 18 वर्ष के 2 लाख 6 हजार 425 बच्चों का चिन्हांकन किया जाकर 75 हजार 385 बच्चों को शालाओं में प्रवेश देने की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। शेष बच्चों को स्कूल चले अभियान में स्कूल चालू होने पर निःशुल्क प्रवेश सुनिश्चित कराया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार द्वारा प्रवासी श्रमिकों के लिए 116 जिलों में महत्वपूर्ण %गरीब कल्याण रोजगार अभियान% चालू किया गया है, जिसमें मध्यप्रदेश के 24 जिले शामिल किए गए हैं। गरीब कल्याण रोजगार अभियान में मनरेगा में 100 के स्थान पर 125 दिवस कार्य उपलब्ध कराने के साथ ही प्रवासी श्रमिकों की बेहतरी के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, सिंचाई व्यवस्था आदि विकास कार्यों के लिए अतिरिक्त राशि प्रदाय की जायेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न जिलों के प्रवासी श्रमिकों से बातचीत की, जिन्हें रोजगार सेतु पोर्टल के माध्यम से काम मिला है। सभी ने उन्हें उनकी योग्यता के अनुसार काम मिलने के लिए मामा को धन्यवाद दिया और कहा कि वे अब मध्यप्रदेश छोड़कर नहीं जाएंगे। श्री अनुप सिंह को जे.पी. स्ट्रक्चर जबलपुर में राज मिस्त्री का कार्य, श्री शांतिलाल को शिवजी कंस्ट्रक्शन रतलाम में मिस्त्री का कार्य, श्री सुमित नामदेव को सतना में कम्प्यूटर ऑपरेटर का कार्य, श्री रोहित कटियार को आज्ञा इंटरप्राइजेस भोपाल में हेल्पर का कार्य, श्री मगल को बी. शांतिलाल पटेल कंस्ट्रक्शन कंपनी में श्रमिक का कार्य, श्री राहुल को मेसर्स अनीक मिल्क प्रोडक्ट प्रा.लि. देवास में हेल्पर का कार्य, श्री मनोज को लेन्सेक्स इंडिया प्रा.लि. नागदा में श्रमिक का कार्य तथा श्री आकाश अहिरवाल को बिलईया कंपनी सागर में श्रमिक का कार्य प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वी.सी. में रोजगार सेतु पोर्टल के माध्यम से प्रवासी श्रमिकों को रोजगार प्रदान करने वाले नियोक्ताओं भोपाल के श्री विवेक आज्ञा इंटरप्राइजेस, रतलाम के श्री शिवकुमार शिवजी कंस्ट्रक्शन, देवास के श्री संजय पटेल,अनीक मिल्क प्रोडक्ट प्रा.लि., जबलपुर के श्री शशिधर सबनूत जे.पी. स्ट्रक्र प्रा.लि., सागर के श्री बिलैया श्री गोविंद प्रसाद बिलैया एंड संस, उज्जैन के श्री जगजीत ठेकेदार लेन्सेक्स उद्योग नागदा तथा आगर-मालवा के श्री अमन शर्मा सिटी प्राईड बिल्डकान प्रा.लि. से बातचीत की।

संपादकीए

पेट्रोल में फिर आग

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में मामूली तेजी के बीच घरेलू बाजार में डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी जारी है। दिल्ली में पहली बार ऐसा हुआ है कि डीजल की कीमत पेट्रोल से अधिक हो गई है। आज लगातार 18वें दिन डीजल की कीमत में बढ़ोतरी हुई जबकि पेट्रोल की कीमत मंगलवार के ही बराबर है। पिछले 18 दिनों में डीजल की कीमत में 10.48 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है जबकि पेट्रोल भी 8.50 रुपए महंगा हुआ है। बुधवार, 24 जून को भी सरकारी तेल कंपनियों ने ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी किए। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत तो कल के बराबर 79.76 रुपए पर टिकी रही लेकिन डीजल की कीमत 79.40 रुपए से बढ़कर 79.88 रुपए प्रति लीटर हो गई जो कल के मुकाबले 48 पैसे महंगा है। तेल पर लगने वाला टैक्स अप्रैल तक देश भर में सबसे कम हुआ करता था, जबकि मुंबई में ये सबसे अधिक था। जब से दिल्ली सरकार ने डीडल पर लगने वाला वैट 4 मई को 16.75 फीसदी से बढ़ाकर 30 फीसदी किया है, तब से दिल्ली में डीजल की कीमतें मुंबई से भी अधिक हो गई हैं। पेट्रोल पर भी वैट बढ़ाया गया, जो पहले 27 फीसदी था और अब बढ़ाकर 30 फीसदी कर दिया गया है। इसकी वजह से पेट्रोल की कीमत में 1.67 रुपए की बढ़ोतरी हुई, जबकि डीजल की कीमत 7.10 रुपए बढ़ गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में यूं तो पिछले 18 दिनों में से अधिकतर दिन क्रूड आयल की कीमतों में नरमी का ही रुख रहा, लेकिन घरेलू बाजार में इसकी कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। अभी इंडियन बास्केट कच्चे तेल की कीमत 40 डॉलर प्रति बैरल के आसपास चल रही है। लेकिन पेट्रोल-डीजल की कीमतों में उस हिसाब से कमी नहीं हुई है। इसी का असर है कि पिछले 18 दिनों में डीजल की कीमत में 10.48 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। इतने दिनों में पेट्रोल का दाम भी 8.50 रुपए प्रति लीटर चढ़ गया। भारत अपनी जरूरत या खपत का करीब अस्सी फीसद तेल आयात करता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ती है तो इसका भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ता है। हालांकि, अभी अंतरराष्ट्रीय बाजार में नरमी का दौर है, फिर भी तेल की कीमतों में आग लगी जा रही है। गौरतलब है कि दक्षिण एशियाई देशों में भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतें सर्वाधिक हैं। इसलिए कि देश में पेट्रोल-डीजल की विपणन दरों में आधी हिस्सेदारी करों की है। इन करों में कटौती क्यों नहीं की जा सकती? जब पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों को नियंत्रण-मुक्त किया गया, तो यह तर्क दिया गया कि अंततः इससे उपभोक्ताओं को लाभ ही होगा; अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत गिरेगी, तो पेट्रोल-डीजल का खुदरा मूल्य उन्हें कम चुकाना होगा। लेकिन हाल के कुछ महीनों को छोड़ दें, तो पिछले साढ़े तीन साल में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत नीचे थी। पर उसका लाभ उपभोक्ताओं को नहीं मिल पाया, क्योंकि कर बढ़ा दिए गए। डीजल के दाम बढने़ से सार्वजनिक यातायात के साधन महंगे हो जाएंगे। बसों का किराया बढ़ेगा और अगर कहीं रेल इंजन डीजल से चल रहे होंगे तो उनकी भी लागत बढ़ जाएगी, तो ट्रेनों का किराया भी बढ़ाया जा सकता है। जो लोग डीजल कार से चलते हैं उनकी भी यात्रा की लागत काफी बढ़ जाएगी और महीने का ईंधन बिल बढ़ जाएगा। अभी कारखानों, कॉरपोरेट सेक्टर में बिजली की वैकल्पिक जरूरत के लिए जरूरत के लिए सबसे बड़े स्रोत डीजल से चलने वाले बड़े-बड़े जनरेटर सेट होते हैं। इन जनरेटर्स में डीजल की खपत काफी ज्यादा होती है। डीजल की कीमत बढ़ते जाने से इनका खर्च भी बढ़ता जा रहा है। तो स्वाभाविक है कि इस तरह के संचलनात्मक खर्च बढने़ की भरपाई कंपनियां अपने उत्पादों के दाम बढ़ाकर ही करेंगी।

बचपन की वह रोमांचकारी घटना

श्याम सुन्दर श्रीवास्तव कोमल

लगभग 35-36 वर्ष पहले की बात है,जब मैं 10-12 वर्ष का बालक था।चैत का महीना था।खेतों और खलिहानों में समृद्धि के उत्सव गीत गाये जा रहे थे।गाँव(गर्रेही)से लगभग पाँच कोस दूर(लगभग 12-13 कि0मी0) बेतवा (नदी) पार भेंड़ी -जलालपुर में प्रति वर्ष नव दुर्गों में मेला लगता था।यह क्षेत्र का प्रसिद्ध एवं बड़ा मेला था।समस्त क्षेत्र वासी इस मेले में बड़े उत्साह से भाग लेने जाते थे। गाँव में भी मेले में जाने की तैयारियाँ जोरों पर थीं।बैलों की जोड़ियाँ तैयार की जा रही थीं।सग्गड़(छोटी बैल गाड़ी) ठोंक-ठाँक कर तैयार किये जा रहे थे।एक विशेष प्रकार का उल्लास एवं उत्साह गाँव में छाया हुआ था। विशेष कर बच्चों में।मेले में जाते समय बैल गाड़ियों की दौड़ होती थी।लोग महीनों महले से बैलों को खिला-पिला कर तैयार करते थे।जहाँ रास्ता समतल,चौड़ा एवं मैदान की तरह होता,लोग अपनी-अपनी बैलगाड़ी परिचालन एवं बैलों की धावक क्षमता का परिचय देने लगते थे।हमारे छोटे दादा जी को (पिता जी के बड़े भाई,जिन्हें हम सब भाई बहन छोटे दादा कहते थे,क्योंकि वे बड़े दादा से छोटे थे।)अच्छे बैल रखना और बैलगाड़ी दौड़ाने का बहुत शौक था।तय यह हुआ कि सुबह चार बजे सभी

लोग खलिहान में इकट्ठे होकर मेले के लिये चलेंगे।दादा तो खलिहान में लेटते ही थे,अतः हमें और भइया(श्री रामजी श्रीवास्तव)जो मुझसे दो वर्ष बड़े हैं को आदेश हुआ कि छाता लेकर सुबह घर से खलिहान पर आ जाना। एक दिन पहले से ही हम लोग कपड़े धोकर तैयार थे।मुझे याद है लाल चौखाने वाली वह शर्ट जिसे पहनने के लिये हम किसी विशेष उत्सव,समारोह एवं मौके की प्रतीक्षा किया करते थे।शायद वह शर्ट जिसे पहन कर हम विशेष गर्व एवं खुशी का अनुभव करते थे,मेरे जीवनकी सबसे अच्छी शर्ट थी।जिसकी समानता आज तक महँगे से महँगे कपड़े नहीं कर सके।रात तो सोते-जागते किसी तरह निकल गई,किन्तु भुन्सारे(प्रातःकाल)से पहले ही अपनी लाल चौखाने वाली शर्ट और मक्खन जीन का खाखी रंग का पैण्ट पहन कर हम तैयार हो गये। घर से खलिहान कुछ दूर था।घर था बीत बस्ती में और खलिहान था गाँव से कुछ हट कर तालाब के किनारे भइया छाता लेकर और मैं नाश्ते की पोटली लिये निकल पड़े खलिहान की ओर। साथ में यह भी बताते चलें कि छाता को साथ लेने का एक विशेष प्रयोजन था।दरअसल बैलगाड़ी दौड़ के समय छाता को ऊपर उठाकर तान देने से बैल अपनी पूरी ताकत लगाकर दौड़ने लगते थे।भइया आगे-आगे और मैं पीछे-पीछे।धुँधलका होने के कारण दूर का दृश्य साफ महीं दिखाई दे रहा था।अपनी धुन में मस्त भइया आगे बढ़ते जा रहे थे।मैं कुछ पीछे था।भइया को सामने कुत्ते जैसी कोई आकृति दिखाई दी।किन्तु वे उसकी परवाह किये बिना आगे बढ़ते गये।इससे पहले कि भइया उसकी अजीब हरकतों को देख कुछ समझ पातेकि वह आकृति मुँह फाड़ कर उनकी ओर झपटी।उनके गले से एक तेज चीख निकल पड़ी, ÷ दादा बचाओ.....÷ । मरता क्या न करता।भइया ने तेजी से घबराहट में छाते को उसके फैले हुये मुँह की ओर कर दिया और डर से अपना मुँह फेर लिया। खलिहान पास में ही था।भइया की चीख सुन कर आस-पास के लोग जो खलिहान में ही सोते थे, ÷ मारो,,,मारो,,,,।÷ चिल्लाते हुये दौड़ पड़े।छाते के आगे की नोंक की चुभन से तिलमिला कर और लोगों को आते देख जिनौरा (भेड़िया) भाग खड़ा हुआ। रात के अंतिम प्रहर की नीरवता में भइया की हृदय विदारक चीख सम्पूर्ण गाँव में सिहरन दौड़ा गई।मौत को साक्षात मुँह फैलाए देख अपनी स्थिति का स्मरण कर आज भी मेरे रोंगटे खड़े हो जाते हैं और शरीर में सिहरन दौड़ जाती है।

खुशहाल रहे सबका जीवन...

बेफ़िक्र हो कर हमें घूमना, पड़े कहीं न भारी,
बिल्कुल न अभी समझना, चली गई बीमारी।
लोगों में संक्रमण की रफ़्तार, न हो रही कम,
पूर्ण सतर्कता रखना, बनती हमारी जिम्मेदारी।।

पहले की तरह चारों तरफ, खुल रहे प्रतिष्ठान,
कोलाहल चहुँओर, न अब कही भी सुनसान।
ऑफिस व शॉपिंग मॉल में, मच रही है भीड़,
महामारी से न डर रहा, बिल्कुल अब इंसान।।

आँकड़ों पर गौर करें, अभी न सुधरे हैं हालात,
अभी भी रखनी सावधानी, तभी दे सकते मात।
कुछ लोग तो कह रहे, भाग गया डर के कोरोना,
पर जीना अभी भी, न करें ज़्यादा मुलाकात।।

घर में खूब ऊब चुके बच्चे, बंद पड़े सभी स्कूल,
बाहर निकलने देने की, करना न है अभी भूल।
खतरा मोल लेकर, न करें अभी कोई रिश्तेदारी,
साफ सफाई और जागरूकता बचने का मूल।।

परिवार ही असली धन, हमें देनी है जिसे सुरक्षा,
डर डर कर ही रहने में, हो सकेगी हमारी रक्षा।
जीवन रहेगा हमारा, तो आगे होगी धमाचौकड़ी,
खुशहाल रहें सबका जीवन, यहीं हमारी इच्छा।।

देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
उत्तर प्रदेश

सुशांत...!

आज सुशांत के जाने के बाद मेन्टल हेल्थ की समस्या ज़्यादा लाइमलाइट में आई है।किसी कम उम्र के शख़्स का ज़िंदगी को यूँ ख़त्म कर लेने की ख़बर आखिरी बार मैंने शायद जिया खान(हॉउसफुल)और प्रत्युषा बेनर्जी(बालिका वधु)की मौत पर सुनी थी और तबसे अबतक जाने कितने ही लोगों ने अपनी ज़िंदगी छीनी होगी,मैं नहीं जानती या कहूँ तो मुझे याद ही नहीं है क्योंकि मौत पर चर्चे और दु:ख भी लोग उसका ओहदा देखकर ही करते हैं। एक आम आदमी की मेंटल प्रॉब्लम और एक सेलिब्रिटी की मेंटल प्रॉब्लम में हमनें हमेशा फ़र्क किया है।हमारे आसपास ही जाने ऐसे कितने लोग होंगे जो किसी न किसी मानसिक तनाव से जूझ रहे होंगे लेकिन हम उनपर ध्यान नहीं देंगे क्योंकि वो हैं अभी,ज़िंदा हैं और बाहर से तो खुश दिख ही रहे हैं न । यदि जैसे-तैसे ये अपने भावों को हमारे सामने लेकर भी आते हैं तो हम लोग इन्हें ये कहकर खुद से दूर कर देते हैं कि ये इंसान कितना नकारात्मक सोच का है,हमारे अच्छे खासे मूड को भी अपनी बातों से ख़राब कर देता है।%दरअसल हमारी ये बातें इन्हें हमसे ही नहीं बल्कि इन्हें खुद से भी और बेहद दूर ले जाती हैं,इतना दूर कि वो कभी खुद को चाहकर भी नहीं ढूंढ पाते।

हमनें हमेशा डिप्रेशन को बाकी बीमारियों से कम आंका है,
खासकर एक मिड्ल क्लास फ़ैमिली ने,
जिन्हें इंसान का उदास होना मनहूसियत लगता है,
जिन्हें लगता है कि चाय पीने से भी डिप्रेशन चला जाता है,
जिन्हें लगता है इसपर और कोई काम नहीं है ,खाली बैठा है इसलिए डिप्रेशन लेकर आया।

असल में डिप्रेशन की परिभाषा किसी को समझ आई ही नहीं है,सबके अपने-अपने मत हैं।कोई खुद को ख़त्म कर लेने को कायरता कहता है तो कोई साहस।

मेरे लिए बचपन से खुशी और सुकून की परिभाषाएं बदलती आ रही हैं।कभी लगता था कि अच्छे दिखने वाले लोग कितने खुश रहते होंगे,फिर लगने लगा जिनसे लोग प्यार करते होंगे वो कितने खुश नसीब होंगे।ये सब एक उम्र के बाद मिलता चला गया और खुशियों की परिभाषा फिर बदल गई।कुछ सालों से लगने लगा था कि सफलता और शोहरत ही आखिरी खुशी है,ये भ्रम भी सुशांत ने आज तोड़ दिया।

मुझे उम्मीद है जिन्हें जो खुशी ज़िन्दगी न दे सकी कम से कम मौत तो दे ही दे वरना यहाँ सबकुछ छोड़ कर जाने का फ़ायदा ही क्या?

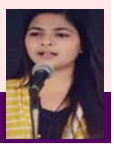

आकांक्षा भटनागर
ग्वालियर मप्र

भारत और चीन अब आगे की सुध लें

भारत और चीन के कोर कमांडरों की बैठक में दोनों पक्षों ने अपनी-अपनी सेनाओं को पीछे हटाने पर सहमति व्यक्त की है। यह बैठक 10-11 घंटे तक चली। इस बैठक में क्या-क्या बातें तय हुई हैं, यह अभी विस्तार से पता नहीं चला है। कौन कितना पीछे हटेगा, कहां-कहां से हटेगा, हटने के बाद दोनों सेनाओं के बीच कितने दूरी खाली रखी जाएगी और जब दोनों सेना के लोग आपस में बात करेंगे तो वे हथियारबंद होंगे या नहीं, इन सब प्रश्नों के जवाब धीरे-धीरे सबके सामने आ जाएंगे। एक बात तो यह हुई। दूसरी बात यह हुई कि भारत, रुस और चीन के विदेश मंत्रियों की बैठक 'इंटरनेट' पर हुई। इस बैठक में हमारे टीवी चैनलों ने हमारे विदेशमंत्री जयशंकर का भाषण प्रचारित किया। इस भाषण में भी जयशंकर ने चीन पर कोई सीधा हमला नहीं बोला लेकिन यह जरुर कहा कि राष्ट्रों को आपसी संबंधों में अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करना चाहिए। रुस ने पहले ही कह दिया था कि इस त्रिपक्षीय संवाद में कोई भी द्विपक्षीय मामला नहीं उठेगा। यदि जयशंकर उसे उठा देते तो उससे यह संदेश निकलता कि भारत बहुत भड़का हुआ है और वह चीन से टक्कर लेने के लिए कमर

कसे हुए हैं। ऐसा नहीं हुआ। शायद कल भी ऐसा नहीं होगा। हमारे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ऐसी कोई बात शायद ही बोलेंगे, जो चीन पर शाब्दिक हमला माना जाए। वे मास्को गए हैं, दूसरे महायुद्ध में रुस की विजय के 75 वर्षीय समारोह में। वहां चीन के विदेश मंत्री के साथ भी वे कोई कहा-सुनी नहीं करेंगे। शायद उनकी बातचीत तक न हो। इन तीनों घटनाओं से आप क्या नतीजा निकालते हैं ? क्या यह नहीं कि हमारे 20 जवानों की हत्या पर भारत सरकार अपना आपा नहीं खो रही है ? उसका रवैया काफी सधा हुआ है। यह हत्याकांड एक तात्कालिक और स्थानीय फौजी घटना थी। इसमें दोनों देशों के शीर्ष नेताओं की भूमिका रही होगी, इसके कोई प्रमाण नहीं मिले हैं। 15 जून की रात वह हत्याकांड हुआ और 16 जून की सुबह दोनों देशों के फौजी अफसर बात करने बैठ गए, फिर हमारे विदेश मंत्री ने चीनी विदेश मंत्री को फोन करने की पहल की, मोदी ने अपने बहुदलीय संवाद में चीन के विरुद्ध एक शब्द भी नहीं बोला और अब दोनों तरफ के कमांडर बात कर रहे हैं। लेकिन हमारे कुछ नादान एंकर इन सब सकारात्मक कदमों को इतने उत्तेजक ढंग से पेश कर रहे हैं कि एक तो हमारी सीधी-सादी जनता क्रोधित हो रही है और दूसरी तरफ हमारे राजनीतिक दल एक-दूसरे पर मुक्के चला रहे हैं। बेहतर तो यह होगा कि जो बीत गया सो बीत गया, दोनों देश अब आगे की सुध लें।

सिंगल-यूज प्लास्टिक पर्यावरण के लिए खतरनाक

सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल में भले ही हमें आसानी होती हो लेकिन इसका हमारी सेहत के साथ-साथ पर्यावरण पर काफी बुरा असर पडता है, हर साल तकरीबन 11लाख से भी अधिक समुद्री पक्षियों और जानवरों की प्लास्टिक की वजह से मौत हो जाती हैं, इग्लैड निवासी अलेकजैन्डर पार्केस द्धारा जीवन को आसान बनाने के लिए ईजाद की गई प्लास्टिक अब हद से ज्यादा इंसान से लेकर हमारे पर्यावरण पर दुष्प्रभाव डाल रही हैं, यही नही आधुनिक संपन्नता की चकाचैध में तेजी से बढते प्लास्टिक के इस्तेमाल ने काफी हद तक हमारे जीवन को आरामदायक बना दिया है। गौरतलब है कि जैसे ही हम अपने आस-पास नजर घुमाकर देखेगे तोखुद को प्लास्टिक से घिरा हुआ ही पाएंगे, प्लास्टिक की वाटर वाटल तो जैसे हमारी जिदगी का अहम हिस्सा बन चुकी है पूरी दुनिया में हर मिनट पेयजल से भरी 10लाख प्लास्टिक बोतलें खरीदी जाती है, सिर्फ इतना ही काफी नहीं हर साल दुनिया भर में 5लाख करोड सिंगल यूज वाले प्लास्टिक बैग्स इस्तेमाल किए जाते है, इस सिगल यूज प्लास्टिक का कचरा जाता कहां है? या तो हमारी जमीन खा रही है या फिर पानी में जाकर जलीय जीवन और प्रकृति की जल आधारित संरचना को तबाह कर रहा हैं कडवी हकीकत यह है कि मानव निर्मित होने के कारण इसे प्रकृति भी स्वीकार नही करती वैसे भी हर तरह का प्लास्टिक रिसाइकल नही हो सकता वर्तमान हालत पर नजर डाले तो यह निष्कर्ष

निकलकर सामने आता है कि प्लास्टिक की बढती खपत इंसान और पर्यावरण दोनो की सेहत के लिए नुकसानदेह हैं, पिछले कुछ दशकों में सिगल यूज प्लास्टिक के उत्पादन और खपत में भारी इजाफा हुआ है प्लास्टिक हमारे लिए बेहद खतरनाक है इस हकीकत को तो हम काफी समय से जानते है, लेकिन तल्ख सच्चाई यह हैं कि हम प्लास्टिक का विकल्प अभी तक नहीं ढूंढ सके हैं, दरअसल में दैनिक जीवन में हम तमाम सारे ऐसे उत्पादो का उपयोग करते है जो कि सिगल यूज प्लास्टिक से निर्मित होते है इसे साधारण बोलचाल की भाषा में डिस्पोजेबल प्लास्टिक कहा जाता है, प्लास्टिक के बैग, प्लास्टिक की छोटी बोतले, स्ट्रॉ, कप प्लेटस, फूड पैकेजिग में इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक, गिफट रैपर्स्र और काफी के डिस्पोजेबल कप्स आदि शामिल है, दरअसल में आधे से ज्यादा इस तरह के प्लास्टिक की चीजे पुनः इस्तेमाल के लायक नहीं होती इसलिए इन्हें एक बार इस्तेमाल करने के पश्चात फेक दिया जाता हैं, दरअसल में आधे से ज्यादा इस तरह के प्लास्टिक पेट्रोलियम आधारित उत्पादों से बने होते है, इन उत्पादों में मौजूद कार्सिनोजिनिक कैसर जैसी भयावह बीमारी की वजह वनते है वही ये अन्य कचरो की तरह सहजता से नष्ट न होने कि वजह से वायु प्रदूषण को बढावा देने में अहम भूमिका अदा करते है काबिलेगौर बात यह हैं कि सिंगल यूज प्लास्टिक न सिर्फ जमीन या जल स्त्रोतों को नही ही खराब कर रहा हैबल्कि समुद्री पक्षियों और जानवरों की सेहत के लिए भी यह नुकसानदायक हैं, , एक रिपोर्ट के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति हर सप्ताह 5 ग्राम प्लास्टिक खा लेता है, और इससे कही ज्यादा वह प्रतिदिन पानी के साथ पीता हैं, प्लास्टिक पर हुए शोध मे इस तथ्य का खुलासा हुआ है कि प्लास्टिक के बोतल और उससे निर्मित अन्य सामान के उपयोग से कैसर जैसी जान लेवा बीमारी तक हो सकती है शोधकर्ता के मुताविक प्लास्टिक में पाये जाने वाले थैलेटस और अन्य केमिकल्स फेफडों, पिताशय, लीवर, स्तन और किडनी से सबंधित कैसर रोग का कारण बन सकते है, ये तथ्य भी किसी स अब ढका छिपा नही है कि प्लास्टिक की बोतल, बल्टी में रखा पानी व सामान जब धूप या ताप से गर्म होते है तो इसमें मौजूद नुकसानदेह केमिकल डाइऑकिसन, सीसा कैडमियम आदि खाघ पदार्थो में घुलकर शरीर में पहुत जाते है, उक्त पदार्थ इंसान की सेहत के लिए इतने अधिक हानिकारक है कि उसकी पाचन क्रिया को बुरी तरह बिगाड कर रख देते है जिसके कारण एसिडिटी, पेट दर्द, मरोड और अपच जैसी तकलीफे बढ जाती हैं प्लास्टिक में मौजूद केमिकल मोटापा, मधुमेह, थॉयराइड जैसी बीमारिया उत्पन्न करते है, हैरत की बात यह है कि पिछले 20 सालों में चार प्रमुख कानून बनाए जाने के बावजूद सिंगल-यूज प्लास्टिक के उत्पादों को चलन से बाहर करने में सफलता नहीं मिली हालाकि ये बात किसी से छिपी नहीं हैं

आज फिर धरती लहुलुहान हुई

आज फिर देश के वीर जवानों ने
सीने पर गोली खाई
आज फिर मातृभूमि की हिफाजत के लिए
कर गए छलनी अपना सीना
आज फिर कई घर उजड़ गए
आज फिर कई सुहागिनों का
सिन्दूर मिटाया गया
आज फिर कई मां की गोद
सूनी हो गई
आज फिर कई नादानों के सिर से
अपने पितृ का साया उठ गया
आज फिर कई बाबा के हाथ से
उनकी लाठी छीन ली गई
आज फिर कई बहनों के हाथ
से उनकी राखी छिन गई
आज फिर कई लाल भारत माता पर
कुर्बान हो गई
आज फिर कई आंखे नम हो गई
अब कौन इनका आंगन सजाएगा
अब कौन इनकी पीडा सुनेगा
अब कौन इनकी राह निहारेगा
अब कौन इनकी हसरतें पूरी करेगा
जो गए थे कहकर आउंगा में अपने गांव
वो आज तिरंगे में लिपटकर आए हैं।

पारुल लहारिया
आलमपुर जिला भिण्ड मप्र

मौसम के हिसाब से ड्रेसअप करतीं है दिशा

मुंबई। बॉलीवुड की स्टाइलिश एक्ट्रेस दिशा पटानी इस बार कुछ ऐसा पहनकर दर्शकों के सामने आ गईं जिसे देखते ही मुंह से एक ही बात निकली कि दिशा ने यह किस मौसम के हिसाब से खुद को ड्रेसअप किया है। इस बात में कोई दोराय नहीं कि दिशा पटानी साधारण से रूप में भी सबसे आकर्षक लगती हैं। हालांकि, वो बात अलग है कि उनके स्टाइलिस्ट के साथ कुछ गड़बड़ है। ऐसा हम नहीं बल्कि अब जो हम आपको बताने जा रहे हैं उसे देखकर आप भी यही कहेंगे। इसी साल रिलीज़ हुई फिल्म 'मलंग' तो आप सभी को अच्छे से याद ही होगी जिसका दिशा ने बड़ी जोरो-शोरों से प्रमोशन किया था। वहीं फिल्म के प्रचार-प्रसार के बीच दिशा ने हाई-नेक वाली रिप्ड डेनिम जींस के साथ वाइट क्रॉप नॉट्ड शर्ट को पहना था। रन-ऑफ-द-मिल अपिरन्स के लिए उनका यह लुक एकदम शानदार था। मिनिमल मेकअप, स्मोकी आईज और न्यूड लिपकलर उनके इस लुक में किसी तरह की कोई कसर नहीं छोड़ रहे थे, लेकिन वाइट हाई थाई बूट्स ने उनके इस पूरे लुक का मजा किरकिरा कर दिया। उनके इस लुक को देखकर ट्रोलर्स ने आखिरकार उनसे पूछ ही लिया क्या यह गर्मी है? या सर्दी? इस बात में कोई शक नहीं कि दिशा का यह ड्रेसिंग स्टाइल अच्छा है लेकिन भारत में मौजूद मौसम के लिए यह उस समय सही नहीं था। दिशा के इस लुक के वायरल होते ही ट्रोलर्स ने उनकी जमकर टांग खिंचाई करनी शुरू कर दी। हालांकि, दिशा ने कुछ देर बार बूट्स का पीछे छोड़ उन्हें वाइट स्नीकर्स से रिप्लेस कर दिया था जिसके आड़ ट्रोलर्स ने चैन की सांस ली। वैसे अगर हम शॉर्ट्स पहनना पसंद करेंगे, तो उस पर एक अच्छा क्रॉप टॉप और हाई थाई बूट्स के ऑप्शन का चुनाव करेंगे। ऐसा बिल्कुल नहीं होगा कि भीषण गर्मी में हम क्रॉप टॉप या जींस के साथ बूट्स को चुनेंगे। वहीं, इसके विपरीत अगर हम खुद को सर्दी के लिहाज से ड्रेसअप करने का सोच रहे हैं तो हम हाई थाई बूट्स के साथ पफी स्वेटर को पहनना पसंद करेंगे। बता दें ?कि दिशा पटानी यूं तो हर बार अपने ड्रेसिंग स्टाइल से सभी को मंत्रमुग्ध करने का माद्दा रखती हैं लेकिन कभी-कभार दिशा का फैशन ऐसा होता है जिसे देखकर लोग सोच में पड़ जाते हैं कि आखिरकार अभिनेत्री हर बार एक जैसे कपड़े क्यों पहनती हैं?

तनुश्री ने मुझे एक्टिंग स्कूल जाने के लिए प्रोत्साहित किया

मुंबई। ऐक्ट्रेस तुनश्री दत्ता को हाल ही में टीवी शो बेपनाह प्यार के सेट पर देखा जा रहा है। जिसमें उनकी बहन इशिता दत्ता काम कर रही हैं। बता दें कि बड़ी बहन तनुश्री को प्यार से दी कहने वाली इशिता ने कहा, दी कुछ साल पहले अमेरिका चली गई थीं और इसलिए वह मिलने सेट पर नहीं आ सकती थीं। ले?किन पहली बार उन्होंने मुझे कैमरे के सामने परफॉर्मेंस करते देखा। वह बेहद खुश हुईं। दीदी को अच्छा समय गुजारते देखकर मुझे बहुत खुशी हुई। पूरा यूनिट उनकी मौजूदगी से खुश था और उन्हें सहज महसूस कराने की कोशिश की।+ इसके अलावा इशिता ने यह भी बताया कि तनुश्री ने उनके सपनों को पूरा करने में भी उनकी मदद की। उन्होंने कहा, + तनुश्री ने मुझे मेकअप करना सिखाया जबकि मैं ब्रश भी ढंग से पकड़ना नहीं जानती थी। उन्होंने मुझे तब एक्टिंग स्कूल जाने के लिए प्रोत्साहित किया, जब मैं अपने व्यक्तित्व और अभिनय को लेकर कॉन्फिडेंट नहीं थी। यहां तक उन्होंने शहर के सबसे अच्छे फोटोग्राफरों से मेरा फोटो शूट करवाया। साथ ही उन्होंने मुझे सर्वश्रेष्ठ करने के लिए प्रोत्साहित किया। उनकी वजह से आज मैं बड़ी फिल्मों में से एक में और शहर के बड़े टीवी प्रोडक्शन हउस में से एक में काम कर रही हूं। कई लोग नहीं जानते कि मेरी बहन मेरी बैकबोन रही है।+ बता दें ?कि पिछले साल तनुश्री तब सुर्खियों में आई थीं जब उन्होंने नाना पाटेकर के खिलाफ यौन दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए खुलकर बोला था। इस पर उन्होंने कहा था कि 2008 में एक फिल्म की शूटिंग के दौरान नाना ने उनके साथ यौन दुर्व्यवहार किया था। उनके मामले के बाद भारत में हैशटैगमीटू मूवमेंट ने जोर पकड़ लिया और कई महिलाओं ने यौन उत्पीड़न संबंधी अपने बुरे अनुभव साझा किए।

मरजावां के गाने तुम ही आना को मिल रही तारीफें

मुंबई। बालीवुड फिल्म मरजावां के गाने तुम ही आना के लिए तारीफें बटोर रही हैं। यह फिल्म संगीतकार पायल देव अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा अभिनीत है। इस फिल्म के गाने को पहले ही यूट्यूब पर सात करोड़ से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं और संगीत निर्देशक जो कि गायिका भी हैं, का कहना है कि कला के लिए सफलता का कोई फार्मूला नहीं होता है। पायल ने कहा, +दुनियाभर से इतना प्यार मिलना जादुई अहसास है। फिल्म %खानदानी शफाखाना% में मेरे पहले कंपोजिशन %दिल जानिए% की तुलना में इसने शानदार किया है। %तुम ही आना% फिल्म %मरजावां% का थीम सॉन्ग है। हम इस मधुर धुन वाले गीचत के लिए काफी सराहना पा रहे हैं।+ गायिका पायल ने स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 में गाने द जवानी सॉन्ग भरे बाजार (नमस्ते इंग्लैंड)और यू करके (आगामी फिल्म दबंग 3 का गाना) को रिकॉर्ड किया है। पायल ने बतौर संगीतकार खानदानी शफाखाना से आगाज किया लेकिन तुम ही आना ने उन्हें लोकप्रियता दिलाई।

पायल कड़ी मेहनत करने और अपना सर्वश्रेष्ठ देने और समय के साथ खुद को ढालने में यकीन रखती हैं। मालूम हो कि बतौर

इलियाना डिक्रूज ने बताया, ब्रेकअप पर अब तक क्यों बनाए थीं चुप्पी

इलियाना डिक्रूज, जिन्होंने अनुराग बासु की फिल्म बर्फी से डेब्यू किया था बीते कई दिनों से उनके बॉयफ्रेंड ऐंड्रयू नीबोन से ब्रेकअप की खबरें आ रही हैं। इलियाना ने इस बारे में चुप्पी तोड़ी है। कुछ दिनों पहले ही दोनों ने ब्रेकअप किया है। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि वह इस बारे में चुप थीं क्योंकि वह दूसरे व्यक्ति की प्रिवसी का रिसपेक्ट करती हैं और अपने एक्स बॉयफ्रेंड ऐंड्रयू के बिहाफ से नहीं बोलना चाहतीं। वहीं उनके और उनके बॉयफ्रेंड के ब्रेकअप के बारे में जो कुछ भी लिखा गया, इससे उनको फर्क नहीं पड़ता, उन्होंने कहा भी कि कोई न कोई इंटरव्यू ऐसा होगा जहां कुछ का कुछ समझा जाएगा। चीजों को सनसनीखेज बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनके लिए हमेशा यह बात इम्पॉर्टेंट रही है कि जब आप किसी रिलेशनशिप में होते हैं तो सिर्फ आप नहीं बात दो लोगों की होती है। आप दूसरे व्यक्ति की बात भी कर रहे होते हैं। जो कि अच्छा नहीं है। आपको उनकी प्रिवसी का सम्मान भी करना चाहिए। इलियाना ने कहा, मुझे आलोचना और ट्रोल्स को डील करने में कोई दिक्कत नहीं है, दूसरे व्यक्ति को इसमें लाना गलत है।

ट्रंप बोले, ग्रीन कार्ड प्रक्रिया पर जरूरी थी रोक

हम चाहते हैं कि नौकरियां अमेरिकियों को मिले

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस साल के अंत तक ग्रीन कार्ड जारी करने की प्रक्रिया पर रोक लगाने के अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि अमेरिकियों को नौकरी देने के लिए यह करना जरूरी था। ट्रंप ने अप्रैल में एक शासकीय आदेश के जरिए ग्रीन कार्ड जारी करने पर 90 दिनों की रोक लगा दी। उन्होंने सैन लुइस, एरिजोना में पत्रकारों से कहा, हम अभी अमेरिकियों को नौकरियां देना चाहते हैं। अभी हम चाहते हैं कि नौकरियां अमेरिकियों को मिले। राष्ट्रपति ने कहा कि कोविड-19 वैश्विक महामारी के बीच आर्थिक संकट के कारण नौकरियां गंवाने वाले लाखों अमेरिकियों की मदद करने के लिए यह कदम अनिवार्य था। ट्रंप ने कहा कि देश में कुल बेरोजगारी दर फरवरी और मई 2020 के बीच करीब चार गुना हो गई। अमेरिका हर साल 1,40,000 ग्रीन कार्ड जारी करता है। अभी अमेरिका में कानूनी रूप से रह रहे करीब 10 लाख विदेशी नागरिकों और उनके परिवार के सदस्यों की वीजा प्रक्रिया अटकी हुई है। इन आवेदनों को मंजूरी दे दी गई है, लेकिन अभी तक इन्हें रोजगार वाला ग्रीन कार्ड नहीं मिला है।

गलतियों से नहीं सीखा तो दोहरायी जाएंगी गलतियां: अमेरिका में प्रतिमाओं और अन्य प्रतीकों को हटाने के समर्थकों से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर इतिहास की गलतियों से नहीं सीखा और समझा गया तो गलतियां दोहरायी जाएंगी। ट्रंप ने कहा कि वह चाहते हैं कि सार्वजनिक स्थानों पर लगाई प्रतिमाओं को नुकसान पहुंचाने या तोड़फोड़ करने वालों को संघीय कानून के तहत अधिकतम सजा मिले। बता दें कि अमेरिका में दासता के प्रतीकों और अन्य ऐतिहासिक प्रतिमाओं को हटाए जाने के बाद ट्रंप ने इनकी सुरक्षा के लिए एक शासकीय आदेश लाने का वादा किया था। उन्होंने अमेरिका के नस्लीय इतिहास से जुड़े व्यक्तियों की प्रतिमाओं को हटाकर नस्लीय अन्याय पर अपना आक्रोश जताने वाले प्रदर्शनकारियों की ओर इशारा करते हुए कहा, ''हम इन असभ्य और गुंडों और इन अराजकतावादियों और आंदोलनकारियों के लिए लंबी जेल की सजा पर विचार कर रहे हैं।''उनका यह बयान तब आया है जब ट्रंप के पसंदीदा राष्ट्रपतियों में से एक एंड्रयू जैक्सन की लफायेत पार्क स्थित प्रतिमा को सोमवार रात को हटाए जाने की कोशिश की गई। पुलिस ने इस कोशिश को नाकाम कर दिया था। ट्रंप ने जैक्सन की प्रतिमा पर इसे ''चोरी छिपे हमला'' बताया। उन्होंने कहा, ''हमें इतिहास से सीखना चाहिए। और अगर आप अपने इतिहास को नहीं समझते तो हम फिर से इन्हें दोहराएंगे।'' इस बीच दक्षिण कैरोलाइना के ऐतिहासिक चार्ल्सटन शहर में अधिकारियों ने पूर्व उपराष्ट्रपति और दासता के पैरोकार रहे जॉन सी कैलहन की एक प्रतिमा हटाने के लिए मंगलवार को सर्वसम्मति से मतदान किया। कार्उसिल के सदस्यों ने शून्य के मुकाबले 13 मतों से इसे मंजूरी दी। इस प्रस्ताव से पूर्व उपराष्ट्रपति और दक्षिण कैरोलाइना से सीनेटर की मैरियन स्क्वेयर में 100 फुट ऊंची प्रतिमा हटाई जा सकेगी।

चीन से सटती है वियतनाम की लंबी सीमा, फिर भी कोरोना वायरस से एक भी मौत नहीं

हनोई। चीन के पड़ोसी देश वियतनाम में कोरोना वायरस पर काबू पाने की सफलता की हर तरफ तारीफ हो रही है। चीन के साथ लंबी सीमा और 9.7 करोड़ लोगों की आबादी होने के बावजूद वियतनाम में कोरोना वायरस संक्रमण के सिर्फ 314 मामले सामने आए हैं। वहीं, यहां एक भी मौतें कोरोना से नहीं हुई हैं। वियतनाम में कम्युनिटी ट्रांसमिशन (सामुदायिक संक्रमण) का मामले आए एक महीने से अधिक हो चुका है और पाबंदियां पहले ही हटाई जा चुकी हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि दूसरे देशों के विपरीत वियतनाम ने बड़े पैमाने पर संक्रमण और मौतों को देखते हुए जल्दी कदम उठाए और उसी का नतीजा है कि यह कोरोना का संक्रमण नियंत्रित है। राजधानी हनोई में हार्वर्ड पार्टनरशिप फॉर हेल्थ एडवांसमेंट के डॉक्टर टॉड पोलक कहते हैं जब दूसरे देशों में कोरोना वायरस का संक्रमण तेजी से फैल रहा था, तो वियतनाम ने इसकी रोकथाम के लिए बड़े पैमाने पर कदम उठाए। पोलक ने बताया कि जब चीन के वुहान में 23 जनवरी को सिर्फ दो मौतें हुई थीं, तभी वियतनाम की सरकार इस रहस्यमय वायरस से मुकाबला करने के लिए तैयार कर रही थी। वियतनाम ने जिन कदमों को पहले उठाया, उसे लागू करने में कई देशों में दो महीने से अधिक का समय ले लिया। वह बताते हैं कि वुहान में मामले आने के बाद वियतनाम ने ट्रैवल बैन लगा दिया और साथ ही चीन के साथ लगती हुई अपनी सीमा भी सील कर दी। उन्होंने बताया वियतनाम ने जनवरी में चीन से लगती हुई सीमा वाले इलाके में रहने वाले लोगों की टेस्टिंग शुरू कर दी। जनवरी के अंत में ही स्कूलों को बंद कर दिया गया, जो मई के मध्य तक बंद रहे। इसके अलावा कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग के तरीकों को अपनाया गया।% वियतनाम ने मार्च में उन सभी लोगों को 14 दिनों के लिए क्वारंटीन में भेजना शुरू कर दिया, जो देश में आए और वायरस संक्रमित लोगों के संपर्क में आए।

नाइक के पीस टीवी पर नफरत फैलाने वाले भाषण प्रसारित करने के लिए तीन लाख पाउंड का जुर्माना

लंदन। ब्रिटेन में मीडिया पर निगरानी रखने वाले नियामक 'ऑफकॉम' ने विवादित इस्लामिक प्रचारक जाकिर नाइक के पीस टीवी नेटवर्क पर देश में नफरत फैलाने वाले भाषण और अत्यधिक आपत्तिजनक विषयवस्तु प्रसारित करने के मामले में तीन लाख पाउंड का जुर्माना लगाया है। संचार सेवाओं के लिए ब्रिटेन के नियामक ने प्रसारण संबंधी उसके नियम तोड़ने पर पीस टीवी उर्दू के लाइसेंस धारकों पर दो लाख पाउंड और पीस टीवी पर एक लाख पाउंड का जुर्माना लगाया है। नियामक ने कहा हमारी जांच में पाया गया है कि पीस टीवी उर्दू और पीस टीवी पर प्रसारित कार्यक्रमों में नफरत फैलाने वाले भाषण और अत्यधिक आपत्तिजनक विषयवस्तु दिखाई गई है। इससे अपराध भड़कने की आशंका थी। ऑफकॉम ने एक बयान में कहा हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि यह सामग्री प्रसारण संबंधी हमारे नियमों का पालन करने में गंभीर असफलताओं को दर्शाती है और इसके लिए जुर्माना लगाए जाने की आवश्यकता है। ऑफकॉम ने प्रसारण संबंधी हमारे नियम तोड़ने पर पीस टीवी उर्दू के पूर्व लाइसेंस धारकों पर दो लाख पाउंड और पीस टीवी पर एक लाख पाउंड का जुर्माना लगाया है। पीस टीवी पर लॉर्ड प्रोडकशन लिमिटेड का मालिकाना हक है और पीस टीवी उर्दू का लाइसेंस क्लब टीवी के पास है। दोनों की मूल कंपनी यूनिवर्सल ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड है जिसका मालिक नाइक (54) है। विवादित इस्लामिक प्रचारक नाइक घृणा फैलाने वाले भाषणों से कट्टरपंथ को बढ़ावा देने और धनशोधन के मामले में भारत में वांछित है। वह 2016 में भारत से मलेशिया चला गया था, जहां उसे स्थायी निवास की अनुमति मिल गई थी। भारत ने उसके प्रत्यर्पण के लिए पिछले सप्ताह मलेशिया सरकार से औपचारिक रूप से अनुरोध किया था। उसके आपत्तिजनक व्यवहार के कारण 2010 में ब्रिटेन में उसके प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

लद्दाख में संघर्ष के लिए भारत पूरी तरह से जिम्मेदार : चीन

पेइचिंग। भारत और चीन के बीच सेनाओं को पीछे करने पर सहमति बनने के एक दिन बाद चीन के रक्षा मंत्रालय ने वास्?तविक नियंत्रण रेखा पर संघर्ष के लिए भारत को पूरी तरह से जिम्?मेदार ठहराया है। चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्?ता वू किआन ने कहा कि हम आशा करते हैं कि सीमाई इलाकों शांति और स्थिरता बनी रहेगी। उन्?होंने कहा कि भारत ने एकतरफा कार्रवाई की जिसकी वजह से हिंसा हुई।रक्षा मंत्रालय के प्रवक्?ता किआन ने कहा भारत-चीन सीमा पर हुए संघर्षों की पूरी जिम्?मेदारी भारतीय पक्ष की है। चीन आशा करते हैं कि सीमाई इलाकों शांति और स्थिरता बनी रहेगी। गलवान घाटी में हिंसा की घटना भारतीय पक्ष के एकतरफा उकसावे की कार्रवाई और दोनों पक्षों के बीच हुई आपसी सहमति के उल्?लंघन की वजह से हुई है।

कोरोना वायरस के कारण लगे प्रतिबंधों को देखते हुए गेब्रियल लोपेज और डेलाह सेंटोस की तस्वीर और वीडियो बनाते हुए फिलिप माइकल व हुगो हुईट्टोंन।

सर्दी शुरु होने के बाद आएगा दक्षिण अफ्रीका में कोरोना संक्रमण का सबसे खतरनाक दौर : करीम

जोहान्सबर्ग। शीर्ष महामारीविद् सलीम अब्दुल करीम ने आगाह किया है कि दक्षिण अफ्रीका में कोरोना वायरस का सबसे खतरनाक दौर आना अभी बाकी है। देश में कोरोना संक्रमण के मामलों के एक लाख के पार पहुंचने और मृतक संख्या के 2000 के पास पहुंचने के बाद उन्होंने यह बयान दिया है। देश में तीन महीने के लॉकडाउन में तमाम रियायतें देने के बाद पिछले एक पखवाड़े में मामले और मृतक संख्या दो गुना हो गई है। अंतराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त महामारी वैज्ञानिक एवं सरकार की कोविड-19 मंत्री सलाहकार समिति के प्रमुख करीम ने कहा कि अन्य देशों की तुलना में देश काफी बेहतर स्थिति में है क्योंकि तीन महीने के लॉकडाउन की वजह से देश को खुद को तैयार करने का समय मिल गया था। करीम ने कहा अभी महामारी की स्थिति का जितना आकलन किया गया था उसके आस-पास ही है। उन्होंने कहा एक महामारी वैज्ञानिक होने के नाते, हमें जुलाई अंत तक मामलों के कई लाख होने की आशंका है और यह हम अभी दो गुना हो रहे मामलों के आधार पर ही कह रहे हैं। सर्दियों के शुरू होने के बाद कोविड-19 के और विकराल रूप धारण करने की आशंका है।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति ने गिलगित-बाल्टिस्तान प्रांत में कार्यवाहक सरकार के गठन के आदेश दिए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने गिलगित-बाल्टिस्तान प्रांत में कार्यवाहक सरकार के गठन और चुनाव कराने के लिए आदेश जारी किया है।पाकिस्तान के इस कदम का भारत ने कड़ा विरोध किया है। राष्ट्रपति कार्यालय से यह आदेश तब जारी किया गया है,जब पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने 30 अप्रैल को संघीय सरकार को क्षेत्र में आम चुनाव कराने के लिए 2018 के एक प्रशासनिक आदेश में संशोधन करने की मंजूरी दे दी थी।गिलगित-बाल्टिस्तान ऑर्डर ऑफ 2018' में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को कई विषयों पर कानून बनाने के साथ ही प्रशासनिक बदलाव करने का अधिकार दिया गया है। उच्चतम न्यायालय द्वारा गिलगित-बाल्टिस्तान में चुनाव कराने की

मंजूरी दिए जाने के बाद भारत ने इस्लामाबाद के समक्ष उसके ''अवैध और जबरन'' कब्जे वाले क्षेत्रों में ''स्थिति में बदलाव'' लाने के उसके प्रयासों के लिए कड़ा विरोध दर्ज कराया है। इस महीने की शुरुआत में दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान के एक वरिष्ठ राजनयिक को डेमार्श (आपत्ति पत्र) जारी कर अदालत के आदेश पर कड़ा विरोध दर्ज कराया था और साथ तौर पर यह कहा था कि गिलगित-बाल्टिस्तान के इलाकों समेत जम्मू कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है। शनिवार को जारी एक अधिसूचना के अनुसार राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने गिलगित-बाल्टिस्तान में निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए ''गिलगित-बाल्टिस्तान चुनाव एवं कार्यवाहक संशोधन आदेश'' जारी किया। गिलगित-बाल्टिस्तान विधानसभा का पांच साल का कार्यकाल 24 जून को पूरा होगा। आदेश में कहा गया है कि निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव कराने के लिए गिलगित-बाल्टिस्तान में एक कार्यवाहक सरकार बनाने के लिए कानूनों में संशोधन आवश्यक था। एक खबर के अनुसार, सताारूढ़ पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की गिलगित-बाल्टिस्तान इकाई के अध्यक्ष सैयद जफर शाह ने कहा कि क्षेत्र में कार्यवाहक सरकार बनाने का कोई प्रावधान नहीं था और राष्ट्रपति के आदेश के बाद इस मुश्किल को हटा दिया गया है। एक सवाल के जवाब में शाह ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में कोविड-19 से पैदा हुई स्थिति बाधा नहीं होगी। हालांकि, इन परिस्थितियों में चुनाव कराने के लिए विशेष इंतजाम किए जाएंगे।

लॉकडाउन में बढ़े पोर्न साइट्स के यूजर्स

लंदन। लाकडाउन में पोर्न वेबसाइट के यूजर्स लगातार बढ रहे हैं। कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए कई देशों में किया गया लॉकडाउन पॉर्न साइट्स के लिए बड़े फायदे लेकर आया है। पूरी दुनिया लॉकडाउन में ऑनलाइन हो चली है और लोग जमकर पॉर्न देख रहे हैं। दुनिया की सबसे बड़ी पॉर्न साइट्स में से एक, पॉर्नहब का ट्रैफिक मार्च के मुकाबले अप्रैल में 22 पर्सेंट बढ़ गया है। छोटी साइट्स के रेवेन्यू में भी खासा उछाल देखने को मिला है। आपको बता दें कि भारत में पॉर्न साइट्स पर बैन है मगर लोग कई तरीकों के जरिए इन्हें ऐक्सेस कर लेते हैं। एक अमेरिकन इनवेस्टमेंट फर्म के एक्सपर्ट बताते हैं कि कोरोना वायरस महामारी के बाद, पॉर्नग्राफी का यूज लगभग दोगुना हो गया है। न्यूड मॉडल्स को ऑनलाइन स्ट्रीम करने वाली बुखारेस्ट की एक फर्म के मुताबिक, शादीशुदा जिंदगियों पर लॉकडाउन ने असर डाला है। ब्रेकअप्स हुए हैं और इससे उनके प्रॉफिट्स में बढ़त देखी गई है।

रूस ने अनसुनी की चीन की नसीहत, भारत को जल्द देगा एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम

मास्को। लद्दाख में सीमा पर चल रहे तनाव के बीच रूस ने भारत को आश्?वासन दिया है कि वह दुनिया के सबसे एडवांस्ड एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम एस-400 की जल्?दी ही भारत को डिलीवरी कर देगा। रूस की यात्रा पर गए भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ बातचीत के दौरान रूस के उपप्रधानमंत्री यूरी इवानोविक बोरिसोव ने यह आश्?वासन दिया है। इससे पहले चीन ने रूस से अपील की थी कि तनाव के इस समय में वह भारत को नए हथियार नहीं दे लेकिन रूस ने चीन की अपील को दरकिनार कर दिया है। बैठक के बाद राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत और रूस के बीच विशेष सहयोग है और रूस ने भरोसा दिलाया है कि भारत संग किए गए समझौते तेजी से पूरे किए जाएंगे। उन्?होंने कहा रूसी उप-प्रधानमंत्री से मेरी बातचीत बहुत सकारात्?मक रही। महामारी की कठिनाइयों के बाद भी हमारे द्विपक्षीय संबंध बरकरार हैं। मुझे भरोसा दिलाया गया है कि जो समझौते किए जा

चुके हैं, उन्हें जारी रखा जाएगा। यही नहीं कई मामलों में इनको बहुत कम समय में पूरा किया जाएगा। भारत सरकार ने एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्?टम जल्?दी देने का आग्रह किया था और रूस इस पर सहमत हो गया है।

भारत और रूस के बीच 2018 में दुनिया के सबसे एडवांस्ड एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम एस-400 की डील 5 अरब डॉलर यानी 40,000 करोड़ रुपए में फाइनल हुई थी। भारत ने इसकी पांच यूनिट्स खरीदने का करार किया है। इसके अलावा भारत रूस से 31 फाइटर जेट खरीद रहा है। भारत ने टी-90 टैंक के महत्?वपूर्ण कलपुर्जों को लेकर भी रूस से बात की है।

इससे पहले रूस ने योजना बनाई थी कि कोरोना वायरस को देखते हुए वह दिसंबर 2021 तक एस-400 की सप्?लाई करेगा। फरवरी महीने में रूस के उद्योग मंत्री डेनिस मंतुरोव ने भारत के लिए एस-400 बनाने की शुरुआत का ऐलान किया था। भारत और रूस ने नौसेना के लिए तलवार श्रेणी के फ्रीगेट, हेलिकॉप्टर के लिए भी डील पर साइन किया है।

कोरोना वायरस महामारी के कारण वार्षिक टूर्नामेंट के रद्द होने से निराश

जापान में बेसबॉल खिलाड़ियों को मिलेगी स्टेडियम की मिट्टी

टोक्यो । जापान में कोरोना वायरस महामारी के कारण वार्षिक टूर्नामेंट के रद्द होने से निराश बेसबॉल खिलाड़ियों को सांत्वना पुरस्कार के तौर पर मिट्टी दी जाएगी। यह कोई आम मिट्टी नहीं है बल्कि कोशेन स्टेडियम की मिट्टी है जहां बेसबॉल मुकाबलों का आयोजन होता है। यह बेसबॉल के दिवानों के लिए सबसे अहम स्टेडियम है। हर साल यहां तीन हजार से अधिक टीमें क्षेत्रीय प्ले ऑफ से गुजरकर फाइनल्स में पहुंचती हैं जिसका आयोजन मध्य जापान के निशिनोमिया शहर के कोशेन स्टेडियम में किया जाता है। हर साल हारने के बाद यहां खिलाड़ियों को रोते देखा जा सकता है और वे डग आउट के करीब की मिट्टी को प्रतीक चिन्ह के रूप में अपने साथ ले जाते हैं। हाल ही में पेशेवर क्लब हेनशिन टाइगर्स के सदस्यों को हाथ से कोशेन स्टेडियम की मिट्टी निकालते देखा गया था। यह स्टेडियम हेनशिन टाइगर्स का घरेलू स्टेडियम है। इस मिट्टी को की-चेन के साथ लटकी पारदर्शी गेंदों में भरकर करीब 50 हजार बेसबॉल खिलाड़ियों को दिया जाएगा। प्रत्येक गेंद पर लिखा है ''2020 में 102वां कोशेन'' जो दर्शाता है कि इस बार कोशेन में 102वें टूर्नामेंट का आयोजन होना था। इसके अलावा गेंद, बल्ले और स्टेडियम की तस्वीर भी दी जाएंगी।

भारत के खिलाफ होने वाला बाक्सिंग डे टेस्ट मैच एमसीजी की जगह अन्य स्थान पर हो सकता

मेलबर्न । विक्टोरिया प्रांत में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के कारण भारत के खिलाफ मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर होने वाला बाक्सिंग डे (26 दिसंबर) टेस्ट मैच किसी अन्य स्थान पर आयोजित किया जा सकता है। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान टिम पेन ने यह आशंका जाहिर की है। विक्टोरिया में कोरोना के मामले बढ़ गए हैं, जिसके कारण क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच का आयोजन पर्थ में करने का विकल्प खुला रखा है, जहां स्थिति नियंत्रण में है। विकेटकीपर बल्लेबाज टिम पेन ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की वेबसाइट पर पोस्ट किए गए वीडियो संदेश में कहा,निश्चित तौर पर एक खिलाड़ी के दृष्टिकोण से हम सर्वश्रेष्ठ स्थल पर ढेर सारे दर्शकों के सामने मैच खेलना चाहते हैं। बॉक्सिंग डे जैसे बड़े दिन पर हर कोई एमसीजी में होने वाले मैच का हिस्सा बनना चाहता है। पेन ने कहा,उम्मीद है कि चीजें अनुकूल होंगी और हम ऐसा कर पाएंगे, लेकिन ऑस्ट्रेलिया में हमारे पास कुछ विश्वस्तरीय स्टेडियम हैं। अगर कुछ परिवर्तन करना हो,तब हमारे पास काफी अच्छे विकल्प हैं।

सबसे फिट और मजबूत ऐथलीट बनने का प्रयास कर रहे विराट : स्मिथ

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई टीम के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली की प्रशंसा करते हुए कहा है कि विराट लगातार बेहतर होते जा रहे हैं। इसी कारण विरोधी टीमें उनसे डरी हुई रहती हैं। स्मिथ ने कहा कि पिछले कुछ समय के अंदर विराट में कई बदलाव आये हैं और उनकी फिटनेस भी बेहतर होती गयी है। स्मिथ ने कहा, %वह शारीरिक रूप से अब काफी बदल गए हैं। वह दुनिया का सबसे फिट और मजबूत ऐथलीट बनने का लगातार प्रयास कर रहे हैं।% स्मिथ ने विराट के साथ अपनी संबंधों पर बात करते हुए कहा कि साल 2007 में ब्रिसबन अकादमी में उनकी भारतीय कप्तान से पहली मुलाकात हुई थी। उन्होंने कहा, %मैं विराट को काफी समय से जानता हूं। मेरे विचार से 2007 में वह ब्रिसबन में अकादमी में गए थे और उस समय मैं उसका हिस्सा नहीं था पर मैं वहां गेंदबाजी करने गया था। मैदान के बाहर हमारी अच्छी बातचीत हुई थी। मैदान पर हमारा मुकाबला भी हुआ था। जब आप टीम के लिए खेलते हैं तो ऐसी बातें हो जाती हैं। आपकी भावनाएं कई बार नियंत्रण से बाहर हो जाती हैं।% उन्होंने कहा, %वह शानदार इंसान हैं। मैंने इस दौरान उनसे कुछ बातें कीं और जानना चाहा कि चीजें कैसी चल रही हैं।

तीन महीने बाद घर पहुंचकर खुश हैं हॉकी खिलाड़ी

बेंगलुरु। भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम के खिलाड़ी अभी एक महीने के ब्रेक के कारण अपने-अपने घरों में पहुंच गये हैं। यह सभी अभी खुश हैं और अपने परिजनों के साथ आराम के क्षण बिता रहे हैं। महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल भी अपने घर लौटने से बेहद खुश हैं। रानी ने कहा, 'लॉकडाउन के दौरान मैं परिवार से मिलने को बेचैन थी। मैं बहुत खुश हूं कि मैं आखिरकार यहां हूं और उनके साथ कुछ दिन बिता सकती हूं।' रानी सहित पूरी टीम को पिछले तीन महीने से लॉकडाउन के कारण साई परिसर में ही रहना पड़ा था। अब सभी को एक माह का ब्रेक दिया गया है ताकि वह अपने परिवार से मिल सकें। उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से, इसके लिए मैं हॉकी इंडिया और साई की बहुत आभारी हूं, जिन्होंने हमारी बहुत देखभाल की। अब मेरा ध्यान घर पर भी अपनी फिटनेस बनाए रखने पर रहेगा।वहीं भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत ने कहा, 'परिवार के लिए घर लौटना एक बहुत अच्छा अहसास था। भले ही मैं वीडियो कॉल पर लगातार संपर्क में था, पर मैं वास्तव में इनकी कमी का अनुभव करते हुए घर वापस आने के लिए उत्सुक था। अब मैं कह सकता हूं कि घर वापस आना बहुत अच्छा लगा।'पुरुष टीम के ही फॉरवर्ड मनदीप सिंह ने कहा, 'जब मैंने घर में कदम रखा तो ऐसा लगा कि अभी ही दुनिया में आया हूं। मैं काफी समय बाद घर लौटा हूं, इसलिए अपने परिवार से मिलना और उनके साथ समय बिताना अच्छा होगा।'इन सभी खिलाड़ियों को अगले माह 19 जुलाई को फिर से अभ्यास के लिए साई परिसर पहुंचना होगा जिससे आगामी टोक्यो ओलंपिक के लिए फिर अभ्यास शुरु किया जा सके।

हॉकी कोच परमेश्वरन ने द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए आवेदन किया

बेंगलुरू । भारतीय हॉकी टीम के पूर्व सहायक कोच रमेश परमेश्वरन ने खेल प्रशिक्षकों को दिए जाने वाले सर्वोच्च सम्मान द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए आवेदन किया है। परमेश्वरन ने कर्नाटक हॉकी संघ के जरिए इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए आवेदन किया है। परमेश्वरन ने कहा कि मेरे लिए जूनियर खिलाड़ी से लेकर राष्ट्रीय कोच बनने तक लंबी, शानदार और संतोषजनक यात्रा रही। मेरे जीवन में भी उतार चढ़ाव आए, हार और जीत मिली पर कुल मिलाकर यह मेरे पास सबसे अच्छा अनुभव है। परमेश्वरन साल 2015 से ही कर्नाटक हॉकी अकादमी में कोच हैं इसमें वह युवा खिलाडियों को निखार रहे हैं। द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिये आवेदन करने के समर्थन में कई दिग्गज खिलाड़ी भी हैं। 1980 की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता रही भारतीय टीम के कप्तान वासुदेवन भास्करन, पूर्व राष्ट्रीय कोच एमके कौशिक, दिलीप टिर्की, आशीष बलाल सहित कई खिलाड़ियों ने परमेश्वरन की दावेदारी का समर्थन किया है।

कोरोना से बचाव में योगदान दे सकते हैं खेल : सिंधू

हैदराबाद । महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू का मानना है कि कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ जारी अभियान में खेल अहम भूमिका निभा सकते हैं। सिंधु ने कहा कि रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने के लिए शारीरिक गतिविधि को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। के कार्यक्रम के दौरान सिंधू ने कहा, 'मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली बरकरार रखने के लिए खेल और अन्य शारीरिक गतिविधियां काफी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि जब तक इस बीमारी का कोई टीका या उपचार नहीं है तो ऐसे में खेल इस लड़ाई को जीतने में सहायक हो सकते हैं।% सिंधु ने साथ ही कहा, 'डब्लयूएचओ सिफारिश करता है कि एक वयस्क को हृदय रोग, मधुमेय, उच्च रक्तचाप, कैंसर और अवसाद जैसे रोगों के खतरे से बचने के लिए हफ्ते में कम से कम 300 मिनट शारीरिक गतिविधि करनी चाहिए और इस महामारी के दौरान यह और भी अधिक आवश्यक हो गया है।% इस महामारी को फैलने से रोकने के लिए लगाये लॉकडाउन के कारण सिंधू सहित शीर्ष भारतीय खिलाड़ियों को तीन महीने से अधिक समय तक अपने घरों में रहना पड़ा है हालांकि अब हालात ठीक हो रहे हैं और कुछ खेलों में ट्रेनिंग शुरू हो गयी है।

फिच ने भारती एयरटेल का परिदृश्य स्थिर से नकारात्मक किया

नई दिल्ली। फिच रेटिंग्स ने भारती एयरटेल की दीर्घावधि में विदेशी मुद्रा ऋण साख को स्थिर से बदलकर नकारात्मक कर दिया है। उसने कंपनी की ऋण साख बीबीबी माइनस रखी है, यह सबसे निचली निवेश श्रेणी है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि साख में यह परिवर्तन देश की साख के अनुरूप है। यह दिखाता है कि कोविड-19 संकट के बावजूद कंपनी की 2020-21 में कर पूर्व आय में वृद्धि तेज रहेगी, क्योंकि भारत के दूरसंचार बाजार में सुधार और अफ्रीकी बाजारों में वृद्धि का रुख जारी है। पिछले हफ्ते फिच रेटिंग्स ने भारत का आर्थिक परिदृश्य स्थिर से घटाकर नकारात्मक कर दिया था। देश में कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या में लगातार हो रही बढ़ोतरी की वजह से देश की आर्थिक वृद्धि का परिदृश्य कमजोर पड़ा है। इसलिए फिच ने देश के आर्थिक परिदृश्य में यह बदलाव किया। हालांकि उसने देश की ऋण साख को बीबीबी माइनस पर बरकरार रखा। बयान के मुताबिक भारती एयरटेल लिमिटेड का परिदृश्य स्थिर से बदलकर नकारात्मक किया गया है। वहीं उसकी ऋण साख बीबीबी माइनस रहेगी।

आरबीआई ने यस बैंक को टियर-2 बांड पर ब्याज भुगतान से रोका

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने निजी क्षेत्र के यस बैंक से कहा है कि वह टियर-2 बॉन्ड पर 29 जून को बकाया ब्याज का भुगतान न करे, क्योंकि उसका पूंजी स्तर अनिवार्य सीमा से कम है। बैंक द्वारा जारी किए गए असुरक्षित गैर-परिवर्तनीय ऊपरी टियर-2 बॉन्ड पर 10.25 प्रतिशत की दर से ब्याज का भुगतान 29 जून को किया जाना है। ये बॉन्ड 2012 में जारी किए गए थे और बैंक ने इनका भुगतान करने के लिए आरबीआई से अनुमति मांगी थी। यस बैंक ने शेयर बाजार को बताया ?कि भारतीय रिजर्व बैंक ने 29 जून 2020 को बैंक द्वारा ब्याज भुगतान के अनुरोध को मंजूरी देने में असमर्थता व्यक्त की है, बैंक इस समय न्यूनतम पूंजी आवश्यकताओं को पूरा नहीं करता है। इसलिए बैंक ब्याज का भुगतान करने में असमर्थ होगा। यस बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी प्रशांत कुमार ने कहा ?कि प्रपत्र की खास विशेषताओं के कारण यह जरूरी है कि बैंक की ऋण सेवाएं पूंजी पर्याप्तता से संबंधित विनियामक मानदंडों को पूरा करती हों। कुमार ने कहा कि बैंक के पास अपने सभी दायित्वों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नकदी है। इन बॉन्डों की प्रकृति संचयी है और बैंक द्वारा न्यूनतम विनियामक पूंजी अनुपात को पूरा करने के बाद बकाया राशि देय हो जाएगी।

ग्वालियर

पुष्पांजली टुडे
08
गुरुवार 25 जून 2020

मुख्यमंत्री चौहान ने कमिश्नर-कलेक्टर की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में निर्देश दिए

प्रदेश में एक जुलाई से संचालित होगा किल कोरोना अभियान

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में एक जुलाई से किल कोरोना अभियान चलाया जाएगा। भोपाल से अभियान की शुरुआत की जाएगी। प्रदेश के सभी जिलों में वायरस नियंत्रण और स्वास्थ्य जागरूकता के इस महत्वपूर्ण अभियान में सरकार और समाज साथ-साथ कार्य करेंगे। ''किल कोरोना अभियान'' प्रत्येक परिवार को कवर करेगा। इसके लिए दल गठित किए जा रहे हैं। कोविड मित्र भी बनाये जायेंगे, जो स्वैच्छिक रूप से इस अभियान के लिये कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज कमिश्नर-कलेक्टर की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में निर्देश दिए कि वे इस अभियान के लिए आवश्यक तैयारियाँ अभी से प्रारंभ कर दें। देश के इस अनूठे और बड़े अभियान के संचालन से अन्य प्रदेशों तक भी एक सार्थक संदेश पहुंचेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि जिलों और संभागों में आईजी और कमिश्नर्स भी कोरोना नियंत्रण पर निगाह रखें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश के करीब 14 हजार महिला और पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं पर सर्वे कार्य की अहम जिम्मेदारी रहेगी। कॉन्फ्रेंस में स्वास्थ्य और गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण श्री मोहम्मद सुलेमान, प्रमुख सचिव श्री फैज अहमद किदवई, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री मनीष रस्तोगी और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश को कोरोना के नियंत्रण में अन्य राज्यों की तुलना में सफलता भी मिली है। लेकिन सजगता का स्तर बना रहे और सभी आवश्यक उपायों को अपनाते रहें, यह बहुत आवश्यक है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना वायरस को समाप्त कर ही हमें चौन की साँस लेना है। प्रदेश में अब डोर-टू-डोर विस्तृत सर्वे के माध्यम से संदिग्ध रोगी की शीघ्र पहचान और उपचार का कार्य अधिक आसान हो जायेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जिलों में क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप के सदस्यों के साथ ही सभी का सहयोग लेते हुए अभियान को गति दी जाए। वायरस के पूर्ण नियंत्रण की रणनीति के साथ कार्य करना है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में ग्रोथ रेट और एक्टिव प्रकरणों की संख्या कम है। मध्यप्रदेश 76.1 प्रतिशत रिकवरी रेट के साथ देश में

दूसरे क्रम पर है। वायरस के इस स्प्रेड को रोकने में कामयाबी मिली है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आमजन से भी अपील की है कि शकिल कोरोना अभियानश् में अपना सहयोग प्रदान करें। घर-घर पहुंच रहे सर्वे दल को आवश्यक जानकारी देकर सहयोग करें। इस सर्वे में महिला और पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, आँगनवाड़ी कार्यकर्ता शामिल रहेंगे। सर्दी-खांसी जुकाम के साथ ही डेंगू, मलेरिया, डायरिया आदि के लक्षण पाये जाने पर भी जरूरी परामर्श और उपचार नागरिकों को मिल सकेगा। सार्थक एप का उपयोग कर इन जानकारियों की प्रविष्टि की जाएगी। कुल दस हजार दल कार्य करेंगे। सर्वे दल अनुमानित दस लाख घरों में रोज जाएंगे। एक दल करीब 100 घरों तक पहुंचेगा। राज्य की शत-प्रतिशत आबादी को इस सर्वे से कवर किया जाएगा। स्वास्थ्य शिक्षा देने का कार्य भी साथ-साथ चलेगा। विभिन्न तरह की प्रचार सामग्री और प्रत्यक्ष सम्पर्क कर नागरिकों को सर्वे दल के आने की सूचना देने का कार्य एडवांस टीम द्वारा किया जाएगा। इन कार्यों में सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखते हुए नागरिकों से सहयोग प्राप्त किया जाएगा। कान्फ्रेंस में जानकारी दी गई कि प्रदेश में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 23 मार्च, मुख्यमंत्री का पदभार ग्रहण से लेकर 22 जून तक कुल 210 घंटे बैठकों और वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से प्रदेश में कोरोना नियंत्रण की निरंतर समीक्षा की है। इस सतत् अनुश्रवण से प्रत्येक जिले की एक-एक गतिविधि की जानकारी मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्राप्त की। जिन जिलों में पॉजीटिव रोगी अपेक्षाकृत अधिक पाये गए, उनके बारे में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रत्यक्ष समीक्षा भी की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंस में ग्वालियर जिले में कोरोना वायरस के नियंत्रण के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कलेक्टर को बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ग्वालियर इस क्षेत्र में अच्छे कार्य का एक उदाहरण बना है। उन्होंने अन्य जिलों में भी निरंतर पूरी ऊर्जा से वायरस नियंत्रण के साथ-साथ टेस्टिंग सुविधा, उपचार, सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखे जाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना के टेस्ट की रिपोर्ट और कम समय में आ जाये, ऐसे प्रयास किये जायें। इससे पॉजीटिव पाये गये रोगी के शीघ्र और पूर्ण सफल उपचार में आसानी होगी। प्रदेश में करीब 3 लाख लोगों को कोविड-19 के दृष्टिगत जांच, उपचार, क्वारेंटाइन, सर्वेलांस, संक्रमित क्षेत्र के लिए आवश्यक सावधानियाँ बरतने, सोशल डिस्टेंसिंग आदि का प्रशिक्षण दिया गया है। प्रशिक्षित लोगों में चिकित्सक, नर्स, स्वास्थ्य कार्यकर्ता आदि शामिल हैं।कोविड से संबंधित कार्यों की इस ट्रेनिंग में आशा वर्कर्स और वालंटियर्स भी शामिल हैं। बैठक में बताया गया कि मध्यप्रदेश में देश के अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर नियंत्रित किया गया है।इस समयनौ हजार की क्षमता हो गई है। प्रतिदिन बढ़ती जाँच क्षमता के कारण पॉजीटिव रोगियों के सामने आने और उन्हें उपचार के बाद स्वस्थ करने के कार्य में आसानी हुई है। इसलिए मध्यप्रदेश रिकवरी रेट में काफी आगे है। प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा ने जानकारी दी कि प्रदेश में चिकित्सा महाविद्यालयों के नए उपकरणों के स्थापित होने से शीघ्र ही 16 हजार से अधिक टेस्टिंग की सुविधा विकसित हो जाएगी। कोरोना पॉजीटिव रोगियों को कोविड केयर सेंटर में दाखिल करने के लिए प्रदेश में जो उपलब्ध बिस्तर क्षमता है उसका 20 प्रतिशत ही उपयोग किया जा रहा है। आज की कॉन्फ्रेंस में जानकारी देते हुए बताया गया कि प्रदेश में कुल 24 हजार 235 जनरल बेड, 8 हजार 924 ऑक्सीजन बेड और एक हजार 105 आई.सी.यू. बेड उपलब्ध हैं। शासकीय और निजी अस्पतालों में प्रदेश में वायरस के प्रसार की आशंका के कारण यह क्षमता विकसित की गई। इसका एक चौथाई से कम ही उपयोग में आ रहा है। प्रदेश के जिला अस्पतालों में जुलाई माह के अंत तक कुल 956 आई.सी.यू. बेड उपलब्ध रहेंगे। इसी तरह मेडिकल कॉलेज में इनकी संख्या 777 हो जायेगी। जिला और मेडिकल कॉलेज में मिलाकर अगले माह के अंत तक करीब 12 हजार ऑक्सीजन बेड उपलब्ध होंगे। प्रदेश में तीन माह में मिले करीब 12 हजार पॉजीटिव प्रकरणों में कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग का कार्य भी पूर्ण हो गया है। यह इंदौर और ग्वालियर में 99 और 98 प्रतिशत तथा भोपाल, उज्जैन और बुरहानपुर में 100 प्रतिशत है। प्रदेश में 22 जून की स्थिति में 912 फीवर क्लीनिक कार्य कर रही हैं। इन क्लीनिक्स में आये रोगियों में से 77 प्रतिशत रोगियों को घर में आयसोलेट रहने का परामर्श दिया गया। प्रदेश में औसतन प्रति क्लीनिक 3019 रोगी पहुंचे हैं।

रोजगार हितग्राही मूलक योजनाओं में शत्प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति सुनिश्चित हो

चंबल कमिश्नर मिश्रा ने रोजगार मूलक योजनाओं से जुड़े विभागों कि, की समीक्षा

ग्वालियर। चंबल संभाग के कमिश्नर श्री रवीन्द्र कुमार मिश्रा ने रोजगार हितग्राही मूलक योजनाओं से जुड़े सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये है कि रोजगार हितग्राही मूलक योजनाओं में शत्प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शत्प्रतिशत लक्ष्यों की फायनेशियल पूर्ति भी सुनिश्चित कराने के लिये बैकर्स से डिलिंग भी होती रहे। कमिश्नर श्री मिश्रा बुधवार को उद्योग एवं व्यापार केन्द्र, खादी एवं ग्रामोद्योग, पिछड़ा वर्ग, अल्प संख्यक कल्याण, अन्त्यावसायी एवं आदिवासी वित्त विकास निगम की संभागीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में अपर आयुक्त श्री अशोक कुमार चौहान, संयुक्त आयुक्त विकास श्री राजेन्द्र सिंह सहित संबंधित विभागों के संभागीय एवं जिला अधिकारी मौजूद थे। समीक्षा के दौरान कमिश्नर श्री मिश्रा ने कहा कि हितग्राही मूलक रोजगार योजनाओं के सभी विभागों के नोडल अधिकारी उद्योग विभाग के जी.एस. रहेंगे। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि सभी रोजगार मूलक योजनाओं में दिसम्बर 2020 के अन्त तक लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित हो जाये। उन्होंने कहा कि जिन विभागों में अभी लक्ष्य प्राप्त नहीं हुये है वे पिछले वर्ष के लक्ष्यों के अनुसार बेरोजगारों से आवेदन पत्र लेकर बैंको को प्रेषित करें। उन्होंने कहा कि जिन विभागों की 31 मार्च 2020 तक अनुदान राशि नहीं आई है, इसके लिये भी कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। कमिश्नर ने उद्योग विभाग की मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना की समीक्षा करते हुये कहा कि इस योजना में 10 लाख रूपये लेकर 10 करोड़ रूपये तक की ऋण राशि दी जाती है। उन्होंने कहा कि श्योपुर और मुरैना की प्रगति ठीक है। किन्तु भिण्ड की प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुये उन्होंने हिदायत दी है कि लक्ष्यों की पूर्ति नहीं करने वाले अधिकारियों को छोड़ा नहीं जायेगा। उनके खिलाफ दण्डात्मक कार्यवाही के साथ-साथ उनके वेतन से 8 प्रतिशत की कटौती करने के लिये शासन स्तर पर लिखा जायेगा। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री युवा योजना से रोजगार सृर्जित होते है। ऐसी योजनाओं में हमारा लक्ष्य प्रोग्रेसिव होना चाहिये। टारगेट सबसे पहले पूरे हो। इसके लिये चाहे अभियान चलाये या अन्य प्रयास हो। उन्होंने कहा कि बैकर्स ऋण राशि ऋण प्रकरण के अनुसार ही स्वीकृत करें। देखने में आया है कि हितग्राही ने 50 लाख चाहा है, बैंकर्स 20-25 लाख ही स्वीकृत कर रही है। ऐसा नहीं होना चाहिये। व्यवसाय की यूनिट की पूर्ति नहीं होगी अगर पूरी तरह से यूनिट की पूर्ति नहीं होगी तो उद्योग नहीं चल पायेगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अगर बैंक ऐसा करती है तो स्टेट लेवल की बैठक यह मुद्दा उठाया जाये। उन्होंने कहा कि शिक्षित गरीब बेरोजगारों को रोजगार से जोड़ना, बहुत ही अच्छा काम है। वह आपको दुआयें देगा। उन्होंने कहा कि ऋण लेने वाले हितग्राही को पूरी तरह प्रशिक्षण दिलायें। अगर उसे कुशल अनुभवी लेवर की जरूरत है तो वह भी उपलब्ध कराये, इसके साथ ही उत्पादित सामान के विक्रय के लिये मार्केटिग का प्लेट फार्म भी उपलब्ध कराये। अच्छे रिसपोन्श के लिये उनके सार्वजनिक प्रोग्रामों में शामिल हो, अगर ऐसा अधिकारी करते है तो वे अपने कार्यो में एक मिशाल हासिल कर सकते है। हमारी भावना मदद एवं सेवा करने की होना चाहिये।

वर्षा जल संरक्षण, पौधरोपण एवं पर्यावरण के प्रति चिंता भी हम सभी पुलिस कर्मियों का दायित्व होना चाहिये-राजाबाबू सिंह

ग्वालियर। एडीजी राजाबाबू सिंह निरीक्षण सप्ताह के तीसरे दिन मल्लगढ़ा चौराहा स्थित हजीरा थाने का निरीक्षण में जब्त वाहन 2 और 4 पहिया का निकाल हेतु सॉफ्टवेयर है जिसमें इंजन और चैसिस नम्बर का मिलान होते ही पता चल जाता है कि यह वाहन कहां हैं, इसका निकाल करें। बीट सिस्टम में पुलिस कर्मियों से चर्चा करते हुए 173 (8) दंड प्रकिया संहिता के तहत लंबित प्रकरणों और 90 दिनों से अंधिक लंबित अपराधों का निपटाया जाये, सम्मन और वारंट तामीली बढ़ाई जाये। इस मौके पर बेहतर सूचना संकलन के लिये आरक्षक जनकसिंह और कोविड़-19 नगररक्षा समिति के 28 सदस्यों बेहतर काम करने के लिये कैप्टन रजत राजपूत की प्रशंसा की। इस मौके पर एसपी नवनीत भसीन, एएसपी पंकज पांडे, सीएसपी रवि भदोरिया, डीएसपी यातायात आरएस त्रिपाठी मौजूद रहें। महिलायें अपनी समस्यायें और परेशानी लेकर आती जो सबके सामने नहीं कह

सकती है इसलिये अलग से बने महिला कक्ष में महिला पुलिस कर्मियों के समक्ष अपनी परेशानी को आसानी से बता सकेगी तभी कारगर कार्यवाही संभव हो सकेगी।वर्तमान में सायबर क्राइम, इकोनोमिक्स की विवेचना के लिये सीपीआई पेटर्न पर बनाया गया है पुलिस विवेचकों को 15 दिवस का प्रशिक्षण दिया जायेगा जोकि आज के अपराधों की विवचेना बेहतर तरीके से कर सकेंगे। एडीजी राजाबाबू सिंह ने बताया कि कोविड़-19 में इंसीडेंट कमाण्डर के साथ तैनात किया गया था लेकिन ड्यूटी न करते हुए ड्यूटी से गायब हो गया। उसकी विभागीय जांच पूरी कर सेवा से बाहर किया जाये। ऐसे पुलिस कर्मियों की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। भारत पैट्रोलियम की ओर हजीरा थाना परिसर में लगभग 15 लाख रूपये की लागत से वाटर हारवेस्टिंग प्लांट लगाया गया है जिससे 15 लाख पानी का संचय किया जायेगा जो कि 50-60 मीटर इलाके जलस्तर को बढायेगा। इसी तरह से डीआरपी लाईन, महाराजपुरा थाना, एसपी आफिस में वाटर हारवेस्टिंग प्लांट लगाया है। हजीरा थाना परिसर के नजदीक कॉलोनी के बंगल में पार्क में 8-10 फीट ऊंचे पौधे रोपे गये सबसे पहला पौधा एडीजी राजाबाबू सिंह ने आम का पेड़ लगाया, एसपी नवनीत भसीन, एएसपी पंकज पांडे, सीएसपी रवि भदौरिया, टीआई आलोक परिहार ने पौधारोपण किया गया। इस पार्क का नाम सबइंस्पेक्टर त्रिवेणी राजावत के नाम पर रखा गया है जो कि इसकी देखभाल करेगी।

छिटपुट बूंदें बरसाकर निकला बादलों का ढेरा

ग्वालियर। मानसून ग्वालियर की दहलीज पर है और वहीं बुधवार को 11.10 बजे जिस प्रकार बादल तेज आवाज के साथ गरजे तो लगा आज मूसलाधार बारिश होगी लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ सिर्फ छिटपुट बूंदें बरसाकर निकल गया। पिछले वर्ष मानसून ने भले ही 3 जुलाई को दस्तक दी थी लेकिन बारिश अच्छी हुई थी। पिछले दिन की तुलना में अधिकतम तापमान 2.2 डिग्री गिरावट के साथ 36.8 डिग्री दर्ज किया गया यह सामान्य से 2.2 डिग्री कम रहा जबकि न्यूनतम तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस बढ़त के साथ 29.1 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से 0.8 डिग्री अधिक रहा। सुबह की आर्द्रता 71 प्रतिशत रही। यह सामान्य से 14 प्रतिशत अधिक रही जबकि शाम की आर्द्रता 95 प्रतिशत रही। यह सामान्य से 52 प्रतिशत अधिक रही। मंगलवार को शहर में तेज बारिश हुई इससे अब तक की औसत बारिश 34.2 मिलीमीटर का कोटा पूरा हो गया।

24 जून से 8 जुलाई तक लगेंगे बिजली शिकायत समाधान शिविर

ग्वालियर। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों में विद्युत देयकों से संबंधित शिकायतों के निराकरण के लिए वितरण केन्द्र स्तर पर शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिकायत निवारण शिविरों में बिजली बिल संबंधित शिकायतें, नवीन कनेक्शन, मीटर वाचन एवं बंद/खराब मीटर से संबंधित शिकायतें तथा अन्य ट्रिपिंग, विद्युत व्यवधान, वोल्टेज कम ज्यादा होने आदि विद्युत प्रदाय संबंधी शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाएगा। शिकायत निवारण शिविर 24 जून से 8 जुलाई के मध्य पूरे कम्पनी कार्यक्षेत्र में 354 वितरण केन्द्र/जोन स्तर पर लगाये जायेंगे। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक ने कहा है कि कंपनी विद्युत उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कृत संकल्पित है। इसी दिशा में पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र में वितरण केन्द्र/जोन स्तर पर आयोजित होने वाले शिकायत निवारण शिविरों के माध्यम से उपभोक्ताओं की विद्युत देयक एवं बिजली संबंधी शिकायतों का त्वरित निराकरण उपमहाप्रबंधक स्तर के अधिकारी तथा वितरण केन्द्र प्रभारी की उपस्थिति में किया जाएगा। प्रबंध संचालक ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि उपभोक्ता विद्युत बिल एवं विद्युत आपूर्ति से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत के समाधान के लिए 24 जून से 8 जुलाई के मध्य संबंधित वितरण केन्द्र/शहरी जोन पर जाकर शिकायतों का निराकरण कराएं।

अतिवर्षा एवं बाढ़ से निपटने के लिये एहतियात बतौर पुख्ता इंतजाम करें

एडीएम कन्याल ने बैठक लेकर की तैयारियों की समीक्षा

ग्वालियर ।अतिवर्षा एवं बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिये एहतियात बतौर पुख्ता इंतजाम किए जाएं। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की ऐसी बस्तियाँ जहां जल भराव की संभावना हो वहाँ के लोगों को अस्थायी तौर पर विस्थापित करने के लिये चिन्हित स्थानों पर जरूरी बुनियादी सुविधाओं का इंतजाम अवश्य किया जाए । साथ ही रहवास के लिये चिन्हित स्थलों पर कोरोना गाइडलाईन का भी पूरा ध्यान रखा जाए। इस आशय के निर्देश अपर जिला दण्डाधिकारी श्री किशोर कन्याल ने मौजूदा मानसून सत्र के दौरान बाढ़ आपदा प्रबंधन को लेकर बुलाई गई बैठक में संबंधित अधिकारियों को दिए। अपर जिला दण्डाधिकारी श्री कन्याल ने निर्देश दिए कि सभी अनुविभागीय दण्डाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र के पुलिस एवं अन्य विभागीय अधिकारियों के साथ संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का बारीकी से निरीक्षण कर लें। साथ ही बाढ़ से निपटने के लिये सभी एहतियाती उपाय पहले से ही मुकम्मल कर लें। उन्होंने कहा कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों से गुजरने वाले सड़क मार्गों पर स्थित ऐसे पुल-पुलियों पर चेतावनी के बोर्ड लगवाएं कि जहां वर्षाकाल में पानी भरने से आवागमन में खतरा हो। चेतावनी में यह स्पष्ट किया जाए कि पानी भरे होने की स्थिति में पुल-पुलिया पार न करें। श्री कन्याल ने जिले के बांधों एवं जलाशयों के गेट खोलने की सूचना संबंधित क्षेत्र में समय से प्रसारित करने के निर्देश जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को दिए। ग्वालियर नगर निगम सहित जिले की सभी तहसीलों में चिन्हित जल भराव वाले क्षेत्रों

में बाढ़ से निपटने के लिये की जा रही तैयारियों की बैठक में विस्तार से समीक्षा की गई। साथ ही निर्देश दिए गए कि होमगार्ड की गोताखोर टीम मय नाव, रस्से व अन्य सामग्री के साथ पूरी तरह मुस्तैद रहें। सभी एसडीएम से कहा गया कि गाँव-गाँव में तैराक लोगों को चिन्हित कर सूचीबद्ध करें, जिससे आपात स्थिति में इनका सहयोग लिया जा सके। संभावित जल भराव वाले क्षेत्रों में दवाईयों सहित चिकित्सा दल की ड्यूटी लगाने के निर्देश भी बैठक में दिए गए। पेयजल व पशुओं की व्यवस्था करने एवं मजबूत सूचना तंत्र विकसित करने पर भी बैठक में जोर दिया गया। अपर जिला दण्डाधिकारी ने कहा कि अतिवर्षा एवं बाढ़ से निपटने के उद्देश्य से बनाए गए बाढ़ नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) 24 घंटे सक्रिय रहें। साथ ही कंट्रोल रूम में बाढ़ एवं आपदा राहत से संबंधित सभी विभागों के अधिकारियों के मोबाइल फोन नम्बर उपलब्ध रहें, जिससे आपात स्थिति में तत्काल सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जा सके। श्री कन्याल ने चैकलिस्ट के आधार पर सभी एहतियाती उपाय करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री रायसिंह नरवरिया ने कहा कि पुलिस बल भी आपात स्थिति से निपटने के लिये 24 घंटे तत्पर है। वर्षा ऋतु को ध्यान में रखकर सभी पुलिस थानों को सचेत कर दिया गया है। बैठक में अपर आयुक्त नगर निगम श्री नरोत्तम भार्गव एवं शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के एसडीएम सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

स्वामित्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक- भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन./31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478